●वर्ष : 16 ●अंक : 242 ●मूल्य : 02 रूपया मात्र पृष्ठ : 08 RNI No. DELHIN/2008/23928

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित

बुधवार 25 दिसम्बर 2024

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

समाचार

अंबेडकर टिप्पणी को लेकर मणिपुर कांग्रेस ने अमित शाह पर साधा निशाना

नूना न्यूज एजेंसी।

मणिपुर। कांग्रेस नेता गइखंगम गंगमेई ने दलित आइकन बीआर अंबेडकर पर उनकी अपमानजनकटिप्पणी के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की आलोचना करते हुए कहा कि हम अपने संविधान और लोकतंत्र पर किसी भी हमले का विरोध करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। मणिपुर के पूर्व उपमुख्यमंत्री गंगमेई ने कहा कि अमित शाह की टिप्पणी अपमानजनक थी और उन्होंने गांधीनगर के सांसद पर अंबेडकर की विरासत को कमजोर करने और संविधान की नींव को कमजोर करने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता ने अमित शाह को जवाबदेह ठहराने के बजाय उनका बचाव करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने अमित शाह से बिना शर्त माफी मांगने और उनके तत्काल इस्तीफे की मांग की है. इसके बजाय, पीएम मोदी ने केंद्रीय गृह मंत्री का समर्थन करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया, जिसे गंगमेई ने उन्हें परिणामों से बचाने का प्रयास माना। 17 दिसंबर को संविधान के 75 साल पूरे होने पर बहस के दौरान अमित शाह ने कांग्रेस की आलोचना की और अंबेडकर का जिक्र किया। उन्होंने राज्यसभा में कहा था कि अभी एक फैशन हो गया है - अम्बेडकर, अम्बेडकर, अम्बेडकर, अम्बेडकर, अम्बेडकर। इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता। कांग्रेस ने 19 दिसंबर को राज्यसभा में अमित शाह के खिलाफ विशेषाधिकार नोटिस भी पेश किया, जिसके बाद इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने विरोध प्रदर्शन किया। हालाँकि, उस विरोध के परिणामस्वरूप सत्ता पक्ष और विपक्ष के सांसदों के बीच हाथापाई हुई, जिसमें दो भाजपा सदस्य घायल हो गए। गैंगमेई ने अपने बयान में आरोप लगाया कि भाजपा सांसदों को हंगामा भड़काने के लिए "जानबूझकर किए गए कृत्य" के तहत सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन करते हुए संसद में छड़ें और लाठियां लाने की अनुमति दी गई।

चुनाव नियमों में बदलाव के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची कांग्रेस

पोलिंग बूथ के फुटेज को लेकर केंद्र के फैसले पर रोक की मांग

›› कांग्रेस महासचिव ने क्या कहा?

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा- "निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961, में हाल के संशोधनों को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक रिट दायर की गई है. चुनाव आयोग एक संवैधानिक निकाय है. इस पर स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की जिम्मेदारी है, इसलिए इसे एकतरफा और सार्वजनिक विचार-विमर्श के बिना इतने महत्वपूर्ण नियम में इतनी निर्लज्जता से संशोधन करने की इजाजत नहीं दी जा सकती है।

››› क्या है नया नियम?

केंद्र सरकार ने चुनाव से संबंधित नियमों में संशोधन करते हुए CCTV कैमरों और वेबकास्टिंग फुटेज के साथ-साथ उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे कुछ इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों के सार्वजनिक निरीक्षण पर रोक लगा दी है, ताकि उनके दुरुपयोग को रोका जा सके. निर्वाचन आयोग (EC) की सिफारिश पर केंद्रीय कानून मंत्रालय ने चुनाव संचालन नियमावली, 1961 के नियम 93 में संशोधन किया है, जिससे सार्वजनिक निरीक्षण के लिए उपलब्ध 'कागजात' या दस्तावेजों के प्रकार को सीमित कर दिया गया है।

नूना न्यूज एजेंसी।

नई दिल्ली। कांग्रेस ने चुनाव से जुड़े इलेक्ट्रॉनिक डॉक्यूमेंट्स पब्लिक करने से रोकने के नियम को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। केंद्र सरकार ने 20 दिसंबर को पोलिंग स्टेशन के CCTV, वेबकास्टिंग फुटेज और उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे कुछ इलेक्ट्रॉनिक डॉक्यूमेंट्स को पब्लिक करने से रोकने के लिए चुनाव नियमों में बदलाव किया था. कांग्रेस ने इस फैसले के खिलाफ मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई और फैसले पर रोक लगाने की अपील की है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा- "चुनाव आयोग को ऐसे महत्वपूर्ण कानून (चुनाव संचालन नियम, 1961) में एकतरफा संशोधन करने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पर कहा, 'ऐसे में तो विशेष रूप से नहीं जब वह संशोधन चुनावी प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने वाली आवश्यक जानकारी तक सार्वजनिक पहुंच को समाप्त करता है. चुनावी प्रक्रिया में सत्यनिष्ठा तेजी से कम हो रही है. उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट इसे बहाल करने में मदद करेगा।

एउ के मुताबिक, "नॉमिनेशन फॉर्म, चुनाव एजेंटों की नियुक्ति, चुनाव रिजल्ट और इलेक्शन अकाउंट स्टेटमेंट जैसे दस्तावेजों का उल्लेख कंडक्ट ऑफ इलेक्शन रूल में किया गया है. जबकि कोड ऑफ कंडक्ट के दौरान उठ्ठश फुटेज, वेबकास्टिंग फुटेज और वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज इसके दायरे में नहीं आते।

››› नियम बदलकर क्या किया गया?

चुनाव आयोग (EC) की सिफारिश पर कानून मंत्रालय ने 20 दिसंबर को द कंडक्ट ऑफ इलेक्शन रूल- 1961 के नियम 93(2)(अ) में बदलाव किया है। नियम 93 कहता है- "चुनाव से जुड़े सभी दस्तावेज पब्लिकली उपलब्ध रहेंगे." इसे बदलकर "चुनाव से जुड़े सभी दस्तावेज 'नियमानुसार' पब्लिकली उपलब्ध रहेंगे" कर दिया गया है।

››› क्यों बदला गया था ये नियम?

पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने एक केस में हरियाणा विधानसभा चुनाव से जुड़े दस्तावेज याचिकाकर्ता से साझा करने का निर्देश दिया था. इसमें CCTV फुटेज को भी नियम 93(2) के तहत माना गया था। चुनाव आयोग ने कहा था कि इस नियम में इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड शामिल नहीं है. इस अस्पष्टता को दूर करने के लिए नियम में बदलाव किया गया है।

ज्वलंत मुद्दा

सम्पादकीय

राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर घटी कई घटनाओं ने भविष्य के लिए बड़े संकेत दिये हैं

साल 2024 देश दुनिया के लिए कई अहम घटनाओं से भरा रहा। राजनीतिक तौर पर देखें तो दुनिया के कई देशों में सरकारें बदल गयीं तो कई देशों में सत्तारुढ़ दलों को बड़ा झटका लगा। महंगाई, बेरोजगारी के साथ ही दुनिया तमाम तरह के द्वंद्वों से भी जूझती रही। शांति को तरजीह देने की बात करने वाले इस विश्व में जहां इस साल और संघर्ष बढ़े वहीं मौसम ने भी ऐसा तपाया कि दुनिया में यह वर्ष सबसे ज्यादा गर्म के तौर पर दर्ज हो गया। भारत में साल की शुरूआत में हिट हुआ अबकी बार 400 पार का नारा तो चुनावों में पिट गया लेकिन साल के अंत में सामने आया बंटेंगे तो कटेंगे नारे को लोगों का जोरदार समर्थन मिला है। आइये एक नजर डालते हैं बीत रहे साल 2024 की बड़ी घटनाओं पर। भारत की दृष्टि से देखें तो यह साल इसलिए अहम रहा क्योंकि पंडित जवाहर लाल नेहरू के बाद नरेंद्र मोदी के रूप में कोई प्रधानमंत्री लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए सत्ता में आया। हालांकि लोकसभा चुनावों में भाजपा अपने बलबूते सत्ता हासिल करने से चूक गयी लेकिन जनता ने उसके नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को शासन करने के लिए स्पष्ट जनादेश दिया। भाजपा का 'अबकी बार 400 पार' का नारा पूरी तरह विफल रहा और उसे सरकार चलाने के लिए चंद्रबाबू नायडू की तेलुगू देशम पार्टी और नीतीश कुमार की जनता दल युनाइटेड के समर्थन पर निर्भर रहना पड़ेगा। विपक्षी गठबंधन इंडिया में शामिल दलों का लोकसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन रहा। खासतौर पर कांग्रेस ने एक दशक में अपना सबसे अच्छा प्रदर्शन करते हुए 99 लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज की। साल 2024 कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लिए बेहद खास रहा। पिछले लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी को उत्तर प्रदेश की अमेठी लोकसभा सीट पर चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था, वहीं इस बार वह केरल की वायनाड और उत्तर प्रदेश की रायबरेली सीट से रिकॉर्डतोड़ मतों से जीते। अमेठी में गांधी परिवार के करीबी किशोरी लाल शर्मा ने भाजपा की स्मृति ईरानी को हरा दिया। बाद में राहुल गांधी ने वायनाड सीट छोड़कर रायबरेली की सांसदी बरकरार रखी। राहुल गांधी लोकसभा में विपक्ष के नेता बनाये गये जोकि उनके राजनीतिक जीवन में अब तक का सबसे बड़ा पद रहा।

SYED ZAKI HAIDER
(EDITOR / PUBLISHER CUM MANAGING DIRECTOR
OF NAI UMMEED NEWS AGENCY
MOBILE NO. 9911371802
EMAIL SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

नीतीश किसके साथ, जेडीयू ने कर दिया साफ

मोदी संग जारी किया नया पोस्टर

नूना न्यूज एजेंसी।

बिहार। अटकलों के बीच जनता दल-यूनाइटेड ने एक पोस्टर जारी कर सभी अटकलों को खत्म कर दिया है। "जब बात बिहार की हो, नाम सिर्फ नीतीश कुमार का हो" नारे के साथ पोस्टर जारी होने के दो दिन बाद, जनता दल-यूनाइटेड ने अब एक नया पोस्टर जारी किया है। इसके आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक नया पोस्टर, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हैं। यह एक और जेडीयू पोस्टर के सामने आने के एक दिन बाद आया है जिसमें नारा दिया गया है "2025...फिर से नीतीश। पार्टी के मंत्री श्रवण कुमार ने भी सोमवार को दोहराया कि 2025 में नीतीश कुमार मुख्यमंत्री के रूप में वापसी करेंगे। इस बीच, भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी), एलजेपी (लोक जनशक्ति पार्टी) और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (एचएएम) सहित एनडीए के विभिन्न सहयोगियों ने बार-बार नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ने के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया है। दो दिन पहले बीजेपी नेता और बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा था कि एनडीए अगले साल बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विधानसभा चुनाव लड़ेगा। बिहार में अगले साल होने वाला विधानसभा चुनाव एनडीए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लड़ेगा। हालाँकि, हाल के दिनों में जेडीयू के संदेश पूरी तरह से नीतीश कुमार को उजागर करते दिखे। आज का पोस्टर पार्टी का पहला उदाहरण है जिसमें स्पष्ट रूप से नीतीश कुमार और पीएम मोदी दोनों को एक साथ दिखाया गया है, जिससे 2025 के लिए गठबंधन की चुनावी रणनीति के बारे में अटकलें तेज हो गई हैं। आपको बता दें कि बिहार में सभी 243 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए विधान सभा चुनाव अक्टूबर या नवंबर 2025 में होने वाले हैं। पिछला विधानसभा चुनाव अक्टूबर-नवंबर 2020 में हुआ था। चुनाव के बाद, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने राज्य का गठन किया सरकार, नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बनेंगे।

आपसी प्रेम सद्भाव एवं सदाचार का संदेश देने वाले पर्व
प्रभु यीशु मसीह के **जन्मदिन** पर
क्रिसमस की ढेर सारी बधाई एवं शुभकामनाएं !

सेंट पीटर्स इंटर कॉलेज
C.I.S.C.E. द्वारा संचालित जनपद का अग्रणी शिक्षण संस्थान
अकबरपुर- अंबेडकरनगर यूपी
इंटरमीडिएट विज्ञान वर्ग के साथ-साथ वाणिज्य वर्ग की कक्षाएं भी प्रारंभ

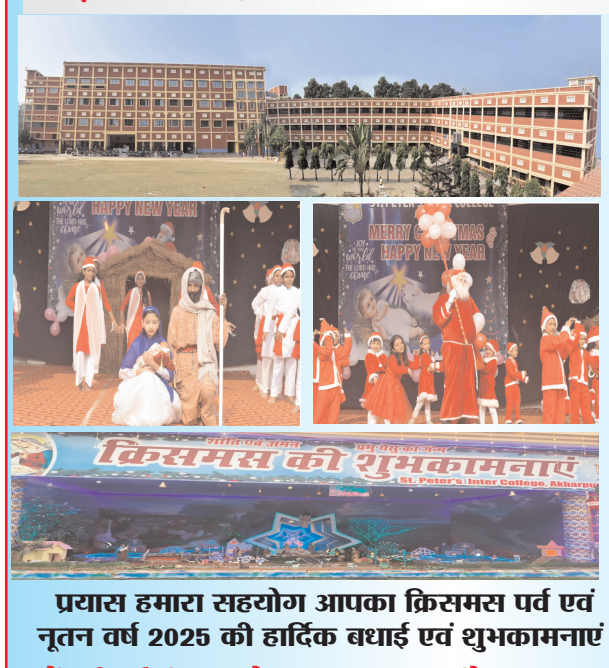

प्रयास हमारा सहयोग आपका क्रिसमस पर्व एवं नूतन वर्ष 2025 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
सेंट पीटर्स इंटर कॉलेज, अकबरपुर - अंबेडकर नगर

आपके बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए कृत संकल्पित, समस्त अत्याधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण जनपद का अग्रणी शिक्षण संस्थान सेंट पीटर्स इंटर कॉलेज बेहतर शिक्षा व्यवस्था के साथ-साथ सामाजिक दायित्वों का निर्वहन भी बखूबी करता है। हमारा प्रयास ही नहीं अपितु दायित्व भी है कि विद्यालय के समस्त बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देकर सुयोग्य नागरिक बनाया जाए

चंडीगढ़ नगर निगम में जमकर हंगामा

नूना न्यूज एजेंसी।

चंडीगढ़। नगर निगम की बैठक मंगलवार को उस समय हंगामेदार हो गई जब डॉ. बीआर अंबेडकर पर गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणी को लेकर कांग्रेस और बीजेपी पार्षद आपस में भिड़ गए। हाथापाई की वजह राष्ट्रीय स्तर पर सहयोगी कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के पार्षदों द्वारा पारित एक प्रस्ताव था, जिसमें पिछले हफ्ते राज्यसभा में संविधान पर बहस के दौरान उनकी टिप्पणियों के लिए शाह के इस्तीफे की मांग की गई थी। मारपीट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है. पार्षदों को मारपीट करते हुए देखा जा सकता है क्योंकि परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों ने पूरी बात कैद कर ली है। कुछ पार्षद हाथापाई के दौरान कैमरे की ओर देखते हुए भी कैद हुए, लेकिन इससे उनके प्रयासों में कोई कमी नहीं आई। वहीं, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने मंगलवार को कहा कि अंबेडकर विवाद का एकमात्र समाधान यह है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को बर्खास्त किया जाना चाहिए और राज्यसभा में बाबासाहेब अंबेडकर पर अपनी टिप्पणी पर देश से माफी मांगनी चाहिए। मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, जयराम रमेश ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पिछले सात दिनों से कांग्रेस 'अंबेडकर सम्मान' सप्ताह मना रही है, जिसके दौरान विभिन्न स्थानों पर 100 से अधिक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई हैं। जयराम रमेश ने कहा कि यह 17 दिसंबर को गृह मंत्री द्वारा अंबेडकर के अपमान के जवाब में है। आज सभी जिलों में बैठकें हो रही हैं।

आरक्षण के मुद्दे का समाधान करें, अदालत पर इसे छोड़ना दुर्भाग्यपूर्ण : महबूबा मुफ्ती

नूना न्यूज एजेंसी।

श्रीनगर । पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने जम्मू एवं कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से आरक्षण के मुद्दे को सुलझाने का रास्ता तलाश करने का आह्वान करते हुए कहा कि मामले को अदालतों पर छोड़ना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने यहां संवाददाताओं से कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों, विशेषकर युवाओं ने विधानसभा चुनाव में बड़ी संख्या में नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) को वोट दिया ताकि आरक्षण को तर्कसंगत बनाया जा सके और किसी का अधिकार नहीं छीना जा सके। उन्होंने कहा, हम इसमें कोई राजनीति नहीं चाहते हैं, लेकिन हम सामान्य वर्ग के छात्रों को परेशान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने छह महीने का समय मांगा है। उनके (नेकां के) पास लद्दाख सहित तीन सांसद और 50 विधायक हैं, उन्हें छह महीने की जरूरत क्यों है? उन्हें लगता है कि अदालत का फैसला आ जाएगा और उन्हें कुछ नहीं करना पड़ेगा। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि नेकां सरकार आरक्षण के मुद्दे को सुलझाने के लिए एसआरओ ला सकती थी, जैसा उन्होंने 2018 में किया था। जब वह स्नातकोत्तर में सामान्य श्रेणी के लिए 75 प्रतिशत सीट निर्धारित करने के लिए एसआरओ-49 लेकर आई थीं। पीडीपी अध्यक्ष ने सवाल किया, यदि इन छह महीनों में व्याख्याताओं, पुलिस आदि की भर्ती होती है तो इन (सामान्य श्रेणी के छात्रों) को क्या मिलेगा? मुख्यमंत्री आवास के बाहर सोमवार को नेकां के श्रीनगर से सांसद आगा सैयद रूहुल्लाह मेहदी द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन का जिक्र करते हुए महबूबा मुफ्ती ने कहा कि लोगों ने संसदीय चुनावों में भी यह सोचकर नेकां को वोट दिया था कि वे उनके मुद्दों को सुलझाएंगे या कम से कम संसद में उन्हें उठाएंगे।

फडणवीस ने बीड में सरपंच हत्या मामले पर कहा,

विपक्ष हर घटना का राजनीतिकरण कर रहा

नूना न्यूज एजेंसी।

नागपुर। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने संकल्प लिया कि बीड जिले में किसी भी व्यक्ति को लोगों को धमकाने की इजाजत नहीं दी जाएगी, जहां हाल ही में एक गांव के सरपंच की हत्या कर दी गई थी। उन्होंने साथ ही आरोप लगाया कि विपक्ष हर घटना का राजनीतिकरण करना चाहता है। वह इस मामले में स्थानीय राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता वाल्मीक कराड की गिरफ्तारी की मांग करने वाले राज्य भाजपा विधायक सुरेश धास के बारे में एक संवाददाता के सवाल का जवाब दे रहे थे। धास ने यह भी कहा है कि मुख्यमंत्री को खुद जिले का प्रभारी मंत्री बनना चाहिए। फडणवीस ने कहा कि वह उपमुख्यमंत्री अजित पवार और एकनाथ शिंदे के साथ मिलकर तय करेंगे कि प्रभारी मंत्री कौन बनेगा। मुख्यमंत्री के पास गृह विभाग भी है और उन्होंने कहा,बीड में किसी को भी गुंडे की तरह काम करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। राकांपा (शरदचंद्र पवार) सांसद सुप्रिया सुले के इस बयान के बारे में पूछे जाने पर कि उन्हें बीड और परभणी की घटनाओं के बाद राज्य में डर लगता है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि महाराष्ट्र देश के किसी भी राज्य की तुलना में अधिक सुरक्षित है। यह शोभा नहीं देता (विपक्ष को) कि हर घटना का राजनीतिकरण किया जाए। वे हर घटना का राजनीतिकरण करना चाहते हैं और समुदायों के बीच दुश्मनी पैदा करना चाहते हैं। बीड जिले के मस्साजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख का एक टोल बूथ के पास से अपहरण कर लिया गया था और कुछ लोगों ने नौ दिसंबर को उन्हें यातना देकर मार डाला था। पुलिस ने इस मामले में अब तक चार लोगों को गिरफ्तार किया है।

महात्मा गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष बनने के 100 वर्ष पूरे होने पर 26 दिसंबर को बेलगावी में उसी ऐतिहासिक स्थान पर होगी कांग्रेस कार्यसमिति की नव सत्याग्रह बैठक

27 दिसंबर को बेलगावी में आयोजित होगी जय बापू, जय भीम, जय संविधान रैली

नई दिल्ली। 24 दिसंबर महात्मा गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष बनने के 100 वर्ष पूरे होने पर आगामी 26 दिसंबर को कर्नाटक के बेलगावी में 'नव सत्याग्रह' के नाम से विस्तारित कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में देशभर से लगभग 200 प्रमुख कांग्रेस नेता हिस्सा लेंगे। अगले दिन 27 दिसंबर की सुबह बेलगावी में ही जय बापू, जय भीम, जय संविधान रैली भी आयोजित की जाएगी। यह जानकारी कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, संचार विभाग के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश, कांग्रेस मीडिया एवं प्रचार के चेयरमैन पवन खेड़ा ने नई दिल्ली स्थित कांग्रेस मुखालय में पत्रकार वार्ता के दौरान दी। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि 100 वर्ष पहले दिसंबर 1924 में महात्मा गांधी की अध्यक्षता में बेलगावी में 39वां कांग्रेस अधिवेशन आयोजित किया गया था। यह महात्मा गांधी की अध्यक्षता में कांग्रेस का एकमात्र अधिवेशन था। बेलगावी अधिवेशन स्वतंत्रता आंदोलन और सामाजिक-आर्थिक सुधारों का आधार बन गया। इस ऐतिहासिक अधिवेशन की 100वीं वर्षगांठ मनाने के लिए कांग्रेस बेलगावी में 'नव सत्याग्रह' नाम से विस्तारित कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक आयोजित कर रही है। बैठक बेलगावी स्थित महात्मा गांधी नगर में 26 दिसंबर को दोपहर ढाई बजे शुरू होगी। यह बैठक उसी स्थान पर होगी, जहां महात्मा गांधी जी ने कांग्रेस की अध्यक्षता ग्रहण की थी। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने ऐतिहासिक अधिवेशन के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य, स्थायी आमंत्रित सदस्य, विशेष आमंत्रित सदस्य, केंद्रीय चुनाव समिति के सदस्य, प्रदेश कांग्रेस समितियों के अध्यक्ष, सभी राज्यों के कांग्रेस विधायक दल के नेता, संसदीय दल के पदाधिकारी और कांग्रेस के मुख्यमंत्रियों व पूर्व मुख्यमंत्रियों सहित लगभग 200 नेता इस ऐतिहासिक अधिवेशन में भाग लेंगे।

भाजपा ने तालकटोरा स्टेडियम में झुग्गी बस्ती युवा रोजगार मेले का किया आयोजन। मेले में दुष्यंत गौतम, अल्का गुर्जर, वीरेन्द्र सचदेवा, हर्ष मल्होत्रा, विजेन्द्र गुप्ता, रामवीर सिंह बिधूड़ी और विष्णु मित्तल ने युवाओं को दिया प्रोत्साहन।

जितेंद्र सिंह ने जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में बिजली और कनैक्टिविटी परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने का आह्वान किया

नई दिल्ली, दिसम्बर : केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पीएमओ, परमाणु ऊर्जा विभाग, अंतरिक्ष विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन, डॉ. जितेंद्र सिंह ने वर्तमान में जल विद्युत परियोजनाओं की गति में तेजी लाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि इनके पूरा होने पर, इन संयंत्रों द्वारा उत्पादित बिजली 8000 मेगावाट तक पहुंच जाएगी। उन्होंने कहा कि इस विशाल बिजली उत्पादन क्षमता के साथ, जम्मू-कश्मीर उत्तर भारत का सबसे बड़ा बिजली केंद्र बन जाएगा। डॉ. सिंह ने यह विचार जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक (दिशा) की अध्यक्षता के दौरान व्यक्त किये।

बैठक में उपायुक्त राकेश कुमार शवन की अगुवाई में जिला प्रशासन भी उपस्थित रहा। बैठक में स्थानीय विधायक और पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। केंद्रीय मंत्री ने राष्ट्रीय जल विद्युत निगम लिमिटेड (एनएचपीसी) से स्थानीय अकुशल श्रमिकों की क्षमता निर्माण का कार्य प्रारम्भ करने का आह्वान किया, ताकि विशिष्ट कौशल और विशेष प्रशिक्षण की आवश्यकता वाली परियोजनाओं के लिए उनकी रोजगार क्षमता बढ़ाई जा सके। जिले में कनैक्टिविटी बढ़ाने के उद्देश्य से परियोजनाओं की स्थिति की समीक्षा करते हुए डॉ. सिंह ने विशेष रूप से उड़े देश का आम नागरिक (उड़ान) के तहत जिले में एक पूर्ण हवाई पट्टी के निर्माण में तेजी लाने का आह्वान किया। इस सुविधा का उद्देश्य दुर्गम इलाकों में रहने वाली आबादी के लिए कनेक्टिविटी में सुधार करना है।

कांग्रेस ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के अपमान पर भाजपा सरकार को आड़े हाथों लिया

कांग्रेस नेताओं ने संसद में अंबेडकर का अपमान करने पर गृहमंत्री अमित शाह को घेरा

नई दिल्ली, दिसम्बर : दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में संविधान निमार्ता बाबा साहेब डा. भीम राव अम्बेडकर का संसद में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा अपमान करने के खिलाफ उनके इस्तीफे की मांग की। यादव ने घोषणा की कि दिल्ली कांग्रेस कल सभी 14 जिला कांग्रेस कमेटियों, 70 विधानसभाओं के ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों में अमित शाह के इस्तीफे की मांग को लेकर पदयात्रा निकाली जाएंगी। संवाददाता सम्मेलन में प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र यादव के साथ अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव प्रभारी दानिश अबरार और सुखविंदर सिंह डैनी, नेशनल मीडिया को-ऑर्डिनेटर अभय दूबे, दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री डा. नरेन्द्र नाथ और वरिष्ठ नेता चत्तर सिंह मौजूद थे।

देवेन्द्र यादव ने कहा कि पिछले 10 वर्षो से केन्द्र की भाजपा सरकार लगातार देश के गरीब, वंचित और दलितों पर प्रहार करने के साथ-साथ संविधान पर भी प्रहार करती है और दो दिन पहले संसद में सरकार के गृह मंत्री अमित शाह द्वारा संसद में डा. अम्बेडकर का अपमान करके देश को अपमान किया है जिसको कांग्रेस पार्टी बर्दाश्त नही करेगी।

हमारे नेता राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष का दायित्व उठाते हुए जब अम्बेडकर के अपमान, देश और देशवासियों के लिए मोदी सरकार के खिलाफ आवाज उठाई तो उनके खिलाफ भाजपा ने एफ.आई.आर. दर्ज कराकर लोकतांत्रिक मायनों की सारी हदे पार कर दी। देवेन्द्र यादव ने कहा कि हमारे नेता पिछले कई वर्षो से देश की 95 प्रतिशत जनसंख्या के अधिकारों और संविधान की रक्षा और सुरक्षा की लड़ाई संसद से सड़क तक तानाशाह सरकार के खिलाफ लड़ रहे है। बाबा साहेब ने दलितों, वचिंतों को बराबरी का हक सुरक्षित रखने के लिए संविधान में जो अधिकार दिए थे, राहुल जी उनकी को बरकरार रखने और भाजपा द्वारा हर दिन उन्हें छीनने के प्रयास के लिए जो संघर्ष कर रहे है उसके लिए कांग्रेस कार्यकर्ता उनके साथ ढाल बनकर खड़ा है।

ग्रामीण भारत में संवहनीय खेती को बढ़ावा देने की पहल

नई दिल्ली, दिसम्बर : बीएन ग्रुप के प्रमुख ब्रांड सिम्पली फ्रेश ने अपना नया कैंपेन रखो इरादे फ्रेश लॉन्च किया है। यह कैंपेन उन असली नायकों की कहानियों को सामने लाता है, जिन्होंने अपनी अलग सोच और निस्वार्थ प्रयासों से समाज में बदलाव लाने का साहस दिखाया है। इस प्रेरणादायक अभियान का केंद्रबिंदु है नीरजा कुद्रीमोती, एक आईटी प्रोफेशनल जिन्होंने ग्रामीण भारत में संवहनीय खेती के लिए अपना करियर छोड़ दिया, और नारायणन कृष्णन, जो पांच-सितारा शेफ से सोशल वर्कर बनकर गरीबों की सेवा में जुट गए। इस अभियान को बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद और अनूप सोनी की मौजूदगी से और मजबूती मिली है। वे अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए नई सोच अपनाने और समुदायों में सकारात्मक बदलाव लाने के संदेश को आगे बढ़ा रहे हैं। सिम्पली फ्रेश का यह कैंपेन एक बेहतर भारत के निर्माण के लिए नए विचारों और साहसिक विकल्पों को प्रोत्साहित करता है।

फीनिक्स यूनाइटेड में संगीत, धुन और एनर्जी में डूबी सनबर्न नाइट साल की सबसे यादगार शाम बनी

» आफ्टरऑल और ओली एस्से की धुनों पर झूम उठे बरेली के म्यूज़िक लवर्स

» शानदार डीजे सेट्स और पॉप म्यूजिक ने बाँधा समाँ

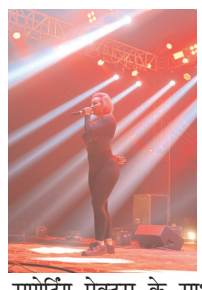

बरेली : बरेली के सबसे चर्चित लाइफस्टाइल डेस्टिनेशन फीनिक्स यूनाइटेड मॉल में आयोजित सनबर्न रिलोड ने संगीत प्रेमियों के लिए एक यादगार नाइट का अनुभव कराया उभरते पॉप कलाकार आफ्टरऑल और अंतरराष्ट्रीय स्तर की डीजे ओली एस्से ने अपने धमाकेदार ट्रैक्स से ऑडियंस को पूरी शाम थिरकने पर मजबूर किया। डीजे सैन, ब्लैक वुल्फ और स्वॉयलर के सपोर्टिंग ऐक्ट्स के साथ इवेंट में उपस्थित शहरभर से जुटे फैंस झूम उठे। जैसे ही आफ्टर ऑल ने अपना पहला ट्रैक प्ले किया, माहौल में जबरदस्त एनर्जी भर गई। उनकी शानदार मिक्सिंग और हाई-बीट्स वाले पॉप म्यूज़िक पर लोग जमकर झूमे। वहीं ओली एस्सेने अपने सेट में ट्रेंडिंग ट्रैक्स के साथ खुद के नए हिट्स की प्रस्तुति दी, जिनका युवाओं के बीच गजब का क्रेज देखने को मिला। फीनिक्स यूनाइटेड मॉल में इस मेगा पार्टी की खासियत सिर्फ म्यूज़िक तक ही सीमित नहीं थी। उपस्थित दर्शकों के लिए शानदार फूड स्टॉल्स और आकर्षक सेटअप ने पार्टी के अनुभव को और खास बना दिया। स्वादिष्ट डिशेज और इलेक्ट्रिफाइंग म्यूज़िक ने यहाँ मौजूद शाम को यादगार बना दिया। फीनिक्स मिल्स के सेंटर डायरेक्टर श्री संजीव सरीन ने कहा, हमें गर्व है कि हम बरेली के लोगों को सनबर्न जैसे इंटरनेशनल लेवल के इवेंट का अनुभव करा पाए। इस तरह के इवेंट्स हमारे शहर के युवाओं की नई ऊर्जा और शानदार माहौल की वजह बन रहे हैं। यह नाइट न केवल संगीत प्रेमियों के लिए एक शानदार पार्टी रही बल्कि आफ्टरऑल और ओली एस्से के साथ पॉप म्यूज़िक के जश्न ने दिसम्बर की ठंड को युवाओं की ऊर्जा से सराबोर कर दिया। ट्रैक्स पर थिरकते युवाओं की एनर्जी ने इस बात को साबित कर दिया कि बरेली का म्यूज़िक सीन अब नई ऊँचाइयों को छूने को तैयार है। इस म्यूज़िकल ईवनिंग ने शहर के युवाओं को वर्ल्ड-क्लास अनुभव दिया। बरेली की ये सबसे बड़ी पार्टी सभी म्यूज़िक प्रेमियों के लिए एक यादगार रात रही।

पद्मश्री नलिनी और कमलिनी ने भारतीय नृत्य की विरासत को सराहा

नई दिल्ली दिसम्बर : राजधानी के लाजपत भवन ऑडिटोरियम में 8वें इंटरनैशनल क्लासिकल डांस फैस्टीवल का भव्य आयोजन किया गया। नृत्यांजली स्कूल ऑफ ओडिसी व फोक डांस द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से आए लगभग 200 कलाकारों ने मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। इनमें कथक, कुचिपुड़ी, भरतनाट्यम,कथकली, ओडिसी, मोहिनीअट्टम आदि जैसे विभिन्न कलाओं प्रस्तुतियों ने सदन को भारतीय संस्कृति व विरासत के रंग से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि पद्मश्री नलिनी अस्थाना , पद्मश्री कमलिनी अस्थाना और वरिष्ठ पत्रकार व कवि अभिमन्यु पाण्डेय 'आदित्य' उपस्थित रहे। इस दौरान नृत्यांजली के अध्यक्ष गुरु समारू मेहर ने सभी मेहमानों का स्वागत किया और सोविनियर का विमोचन किया। इस अवसर पर पद्मश्री नलिनी कमलिनी ने सभी कलाकारों की जमकर तारीफ की और कहा कि क्लासिकल डांस की विधा हमारी भारतीय संस्कृति की अनमोल विरासत है। ये अपने आप में एक पूजा है। इसे संजोकर रखना नई पीढ़ी की जिम्मेदारी है। वहीं अभिमन्यु पाण्डेय आदित्य ने भी सभी प्रस्तुतियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति और अध्यात्म की संवाहक ऐसी कलाओं के प्रति समाज की जिम्मेदारी है।

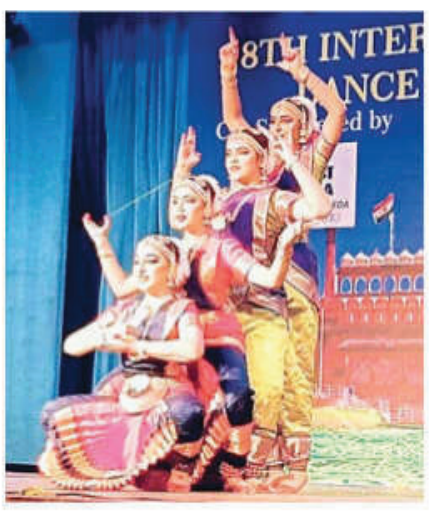

दिल्ली में रहने वाले बिहारियों के लिए अच्छी खबर

राज्य सरकार ने किया ये बड़ा आयोजन

नई दिल्ली। भू-सम्पदा (विनियमन एवं विकार) अधिनियम, 2016 के प्रावधान के अनुसार, भू-सम्पदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा), बिहार अपनी स्थापना के बाद से बिहार में जागरूकता सृजन कार्य कर रहा है और अब अपने रेरा बिहार से रूबरू कार्यक्रम के तहत राज्य के बाहर भी जागरूकता सृजन कार्य किया जा रहा है, विशेष रूप से उन स्थानों पर जहां बिहार के लोग बड़ी संख्या में रहते हैं। रेरा बिहार से रूबरू श्रंखला की शुरूआत आज दिल्ली से हुई, जहां बिहार के रहने वाले घर खरीदार एवं प्रमोटर दोनों ही बड़ी संख्या में रहते हैं। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (रेरा), बिहार के अध्यक्ष विवेक कुमार सिंह ने कहा कि बिहार में किसी रियल एस्टेट प्रोजेक्ट में फ्लैट या प्लॉट खरीदने की योजना बना रहे घर खरीदने वालों से कोई भी निर्णय लेने से पहले विवरण की जांच करने का आग्रह किया। सिंह ने आज यहां रेरा बिहार द्वारा आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम में बोलते हुए कहा, आठ से अधिक फ्लैट या 500 वर्ग मीटर से अधिक भूमि क्षेत्र वाले किसी भी रियल एस्टेट प्रोजेक्ट को प्राधिकरण के साथ निबंधित होना चाहिए। घर खरीदने वाले रेरा बिहार की वेबसाइट पर निबंधित परियोजना का विवरण देख सकते हैं। उन्होंने कहा, इलाज से बचाव बेहतर है और इसलिए मैं घर खरीदने वालों से किसी भी प्रोजेक्ट में निवेश करने से पहले सावधानी बरतने का आग्रह करता हूं। इस अवसर पर रेरा बिहार के 2025 के कैलेंडर का भी विमोचन किया गया। इस अवसर पर रेरा बिहार के पूर्व अध्यक्ष नवीन वर्मा और बिहार के स्थानिक आयुक्त कुंदन कुमार ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। अपने विचार साझा करते हुए वर्मा ने कहा कि पिछले नौ महीनों में रेरा बिहार में किए गए सकारात्मक बदलाव विशेष प्रशंसा के पात्र हैं। उन्होंने यह भी बताया कि रेरा बिहार में दायर अधिकांश शिकायत मामले अधिनियम लागो होने के पूर्व की परियोजनाओं के हैं । स्थानिक आयुक्त ने इस अवसर पर प्रतिभागियों को संबोधित किया और कार्यक्रम के आयोजन के लिए रेरा बिहार को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि रेरा बिहार द्वारा शुरू की गई प्रमोटरों और परियोजनाओं की रैंकिंग प्रणाली प्रमोटरों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा शुरू करने में मदद करेगी और यह अंततः घर खरीदने वालों के लिए फायदेमंद होगी जो घर खरीदने के लिए अपनी मेहनत की कमाई का निवेश करते हैं। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रमोटरों और घर खरीदने वालों ने भाग लिया, खासकर उन लोगों ने जो बिहार से हैं। इस अवसर पर रेरा बिहार की एक टीम ने एक प्रस्तुति दी, जिसमें प्रमोटरों को रियल एस्टेट परियोजनाओं के पंजीकरण के लिए आवश्यक दस्तावेजों के बारे में जानकारी दी गई। घर खरीदने वालों के लिए एक अलग प्रस्तुति दी गई, जिसमें उन्हें उन बिंदुओं के बारे में बताया गया, जिन पर किसी भी परियोजना में निवेश करने से पहले विचार करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम के अंत में एक खुला सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें रेरा अधिनियम के बारे में प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान किया गया। आलोक कुमार (सचिव) और राजेश थडानी (ओएसडी) सहित रेरा बिहार के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से रेरा बिहार द्वारा बनाई गई दो लघु फिल्में भी दिखाई गईं। रेरा बिहार से रूबरू कार्यक्रम का उद्देश्य प्रमोटरों को राज्य में रियल एस्टेट क्षेत्र के विनियमन और विकास के लिए रेरा बिहार द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में सूचित करना है और राज्य की किसी रियल एस्टेट परियोजना में फ्लैट/प्लॉट खरीदने की योजना बना रहे घर खरीदने वालों को उन विवरणों से अवगत कराना है।

वित्तीय स्वतंत्रता के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण

■ सांसद कमलजीत सेहरावत ने छात्राओं के प्रयासों की सराहना की

नई दिल्ली दिसम्बर : दिल्ली में आईडब्ल्यूपी अकादमी के वार्षिक उत्सव मेराकी का भव्य आयोजन किया गया। इस वर्ष का थीम वित्तीय स्वतंत्रता के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाना था, जिसके तहत विभिन्न कार्यक्रमों और प्रस्तुतियों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया गया। उत्सव में फैशन शो, नृत्य और नाटकों ने दर्शकों को न केवल मनोरंजन प्रदान किया, बल्कि महिलाओं की आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तिकरण पर जागरूकता भी बढ़ाई। इस अवसर पर मुख्यातिथि, सांसद कमलजीत सेहरावत ने छात्रों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कौशल विकास दृष्टिकोण युवाओं और विशेष रूप से महिलाओं के लिए प्रेरणादायक है। प्रबंध निदेशक विशाल निज्हावन ने भी छात्राओं के प्रयासों और उनके समर्पण को सराहा। मेराकी न केवल एक उत्सव था, बल्कि महिलाओं के आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता को बढ़ाने का प्रतीक भी बना। यह आयोजन उन सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत था, जो महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वतंत्र और समाज में अधिक सशक्त बनाना चाहते हैं।

नारनौल में फाइनैंसरों से तंग आकर पूरे परिवार ने खाया जहर, दंपति और एक बेटे की मौत, दूसरा गंभीर

नारनौल दिसंबर : फाइनेंसरों से तंग आकर एक परिवार ने नशीला पदार्थ खाकर आत्महत्या करने की कोशिश की। जिसमें परिवार का एक बेटा व उसकी मां की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक बेटा व पिता गंभीर थे। जिनको इलाज के लिए पीजीआईएमएस रोहतक रेफर कर दिया गया। मृतकों के पास एक सुसाइड नोट भी मिला है। जिसमें कुछ लोगों के नाम हैं। जिन्होंने उनका आत्महत्या करने के लिए मजबूर कर दिया। पीजीआई में उपचार के दौरान पिता आशीष ने भी दम तोड़ दिया।

शहर के गुरुनानकपुरा मोहल्ले के रहने वाले करीब 45 वर्षीय आशीष ग्रोवर ने दिल्ली दरवाजा के पास जनरल स्टोर की दुकान की हुई है। बताया जा रहा है कि आशीष ग्रोवर अपनी पत्नी 43 वर्षीय रूपेंद्र कौर बड़े लड़के 22 वर्षीय गगनदीप तथा छोटे लड़के 18 वर्षीय शुभदीप उर्फ सोनू को लेकर थार गाड़ी में सवार होकर अटेली की तरफ गया। वहां पर कनीना बाईपास पर गांव तुर्कीयावास के नजदीक चारों रात को करीब 9:30 बजे गाड़ी के अंदर संदिग्ध परिस्थितियों में गंभीर अवस्था में मिले। जिस पर पुलिस ने सभी को नागरिक अस्पताल में पहुंचा। जहां पर डॉक्टर ने रूपेंद्र कौर व सोनू को मृत घोषित कर दिया, जबकि आशीष व गगनदीप की गंभीर हालत के चलते उनको आगामी उपचार के लिए पीजीआईएमएस रोहतक रेफर कर दिया गया। जहां उपचार के दौरान आशीष की भी मौत हो गई।

परिवार का फाइल फोटो।

पुलिस को प्रारंभिक जांच में मिला सुसाइड नोट

बताया जा रहा है कि प्रारंभिक जांच में पुलिस को एक सुसाइड नोट भी मिला है। जिसमें आशीष ग्रोवर नहीं लिखा है कि कुछ फाइनेंसर उसे पर पैसे का दबाव बना रहे थे। जिसके चलते उसने यह कदम उठाया है।

कांग्रेस ने तय किए 28 उम्मीदवारों के नाम, सीएम आतिशी के खिलाफ लड़ेंगी अलका लांबा!

दिल्ली। कांग्रेस फरवरी में होने वाले दिल्ली चुनाव में कालकाजी सीट से मुख्यमंत्री आतिशी के खिलाफ अलका लांबा को मैदान में उतार सकती है। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। उम्मीद है कि पार्टी जल्द ही 28 और उम्मीदवारों की सूची जारी करेगी। कांग्रेस ने इस महीने की शुरूआत में दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए 21 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की थी। उसने बादली से दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव को मैदान में उतारा है। पूर्व लोकसभा सदस्य और तीन बार की मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के बेटे, संदीप दीक्षित को नई दिल्ली से मैदान में उतारा गया है, जिसका प्रतिनिधित्व वर्तमान में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल कर रहे हैं। कांग्रेस ने दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री हारून यूसुफ को बल्लीमारान, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार को पटपड़गंज और राष्ट्रीय प्रवक्ता रागिनी नायक को वजीरपुर से से उम्मीदवार बनाया है। पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के पौत्र आदर्श शास्त्री को द्वारका से उम्मीदवार बनाया गया है। पिछले दिनों आम आदमी पार्टी छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए विधायक अब्दुल रहमान को उनके वर्तमान क्षेत्र सीलमपुर से चुनावी मैदान में उतारा गया है। अनिल भारद्वाज को सदर बाजार, मुदित अग्रवाल को चांदनी चौक, जय किशन को सुल्तानपुर माजरा और अली मेहदी को मुस्तफाबाद से टिकट दिया गया है। कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) ने बृहस्पतिवार शाम को इन 21 उम्मीदवारों के नामों को मंजूरी प्रदान की थी। दिल्ली की 70 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव अगले साल फरवरी में होने की संभावना है।

समाचार

एक मुस्त समाधान योजना का लाभ उठाएं विद्युत उपभोक्ता: एसडीओ हसनपुर

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विद्युत उपभोक्ताओं के लिए चलाई जा रही एक मुस्त समाधान योजना का अधिक से अधिक विद्युत उपभोक्ता को लाभ उठाए तथा विद्युत बकाया को समय से जमा कर विद्युत विभाग का सहयोग करें एवं विद्युत सेवाओं को जारी रखें, यह कहना है विद्युत विभाग हसनपुर खंड के नवागंतुक एसडीओ मिथिलेश यादव का, बता ते चलें कि हसनपुर विद्युत उपखंड एसडीओ के पद पर अभी 3 दिन पूर्व हाल ही में मिथिलेश यादव ने चार्ज ग्रहण किया है इस बीच पत्रकार वार्ता में उन्होंने बताया कि इस वर्तमान समय में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा तीन चरणों में विद्युत बिल बकाया को जमा करने के लिए सरकार द्वारा एक मुस्त समाधान योजना चलाई जा रही है जिसका प्रथम चरण 15 दिसंबर से 31 दिसंबर तक तथा द्वितीय चरण एक जनवरी से 15 जनवरी तक तथा तृतीय चरण 16 जनवरी से 30 जनवरी तक रहेगा पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि आपके अखबार व चैनल के माध्यम से नगर की जनता से अपील है कि अधिक से अधिक इस योजना का लाभ उठाएं और बकाया बिल जमा कर विद्युत विभाग का सहयोग करें तथा देश हित में बिजली बचाएं।

नियमों के विरुद्ध चकबंदी विभाग मे हो रहा कार्य, डीएम से कि शिकायत

आदमपुर। गांव आदमपुर निवासी धीरज कुमार पुत्र मलखान ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देते हुई चकबंदी डीसी के खिलाफ भ्रष्टाचार व अपने पद और कर्तव्यों का दुरूपयोग करने का आरोप लगाते हुए कार्यवाही की मांग की है। गांव आदमपुर में चकबन्दी चल रही है शिकायतकर्ता के पिता मलखान के तीन चक बनाये गये, तीन चकों में से एक चक पर ही कब्जा कराया है अन्य एक दूसरे चक पर डी0डी0सी0 ने स्टे कर रखा है । शिकायतकर्ता ने जब तीसरे चक की पैमाईश कर कब्जा कराने के लिए प्रार्थनापत्र जिलाधिकारी को दिया तो डीडीसी के निदेर्शानुसार चकबन्दी लेखपाल ने पैमाईश नही की। शिकायत कर्ता से अवैध रूप से धनराशि की मांग की गई थी मांग पूरी न होने पर डीडीसी ने विपक्षी से अपनी कोर्ट में मुकदमा डलवाकर पक्षकारों को कोई नोटिस दिये बिना एवं स्थल निरीक्षण किये बिना जल्दबाजी में अपने पद व कर्तव्यों का दुरूपयोग करके नियम विरुद्ध आदेश पारित कर दिया। बता ते चले कि चकबन्दी विभाग के अधिकरी व कर्मचारी शिकायतकर्ता से व्यक्तिगत रंजिश रख रहे हैं क्योंकि शिकायतकर्ता की शिकायत पर ड्राफ्ट मैन रविन्द्र कुमार को इसी माह निलम्बित किया गया है एवं शिकायतकर्ता की शिकायत पर गांव आदमपुर में तालाब की भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराया गया है तालाब की भूमि पर चकबन्दी अधिकारियों ने किसानों से रूपए लेकर अवैध कब्जा करा दिया था।

श्री राम सेवा समिति द्वारा सामूहिक हनुमान चालीसा के पाठ का किया गया आयोजन

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। बता ते चलें कि नगर में हर मंगलवार की भांति इस मंगलवार को भी श्री राम सेवा समिति जनपद अमरोहा के साप्ताहिक धार्मिक कार्यक्रम घर-घर श्री बालाजी भगवान का चालीसा पाठ व आरती के अंतर्गत इस मंगलवार को नगर निवासी व्यापारी आकाश अग्रवाल के आवास पर संपन्न हुआ, चालीसा का पाठ करने के बाद श्री बालाजी भगवान की आरती कर प्रसाद का वितरण किया गया, उधर नगर के झारखंड महादेव शिवाला मंदिर पर भी सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ श्री झारखंड महादेव कावड़ बेड़ा संघ द्वारा आयोजित किया गया, इस मौके पर मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष पंकज भटनागर, रानू रस्तोगी, विजय पारछा, मुकुल अग्रवाल, बबलू पाल, आकाश अग्रवाल, जतिन गुर्जर, मनोज शर्मा, सोनू सैनी, अनुपम अग्रवाल, सौरव गुप्ता, राजन अग्रवाल, राजकुमार सागर, सिद्धार्थ शर्मा, पुनीत अग्रवाल, दामोदर शर्मा, संजीव शर्मा, अर्थ भटनागर, मोहित सुशील अग्रवाल, दीक्षा अग्रवाल, ऋषिका अग्रवाल, भावना अग्रवाल, श्रीमती मधु अग्रवाल, प्रिया रस्तोगी, श्रीमती सीमा अग्रवाल, मोहिनी अग्रवाल, दीपांशु अग्रवाल, प्रियांशु अग्रवाल आदि भक्तों ने भाग लिया।

योगी के मंत्रियों ने मणिपुर और हरियाणा की जनता को दिया महाकुंभ-2025 का निमंत्रण

गुवाहाटी/चंडीगढ़, 24 दिसम्बर। योगी सरकार महाकुंभ 2025 को भव्य बनाने के लिए देशभर में रोडशो के माध्यम से आम जनता और गणमान्य व्यक्तियों को आमंत्रित कर रही है। इसी कड़ी में हरियाणा और असम में भव्य रोडशो आयोजित किए गए। हरियाणा में औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' और राज्यमंत्री जसवंत सिंह सैनी ने रोडशो का नेतृत्व करते हुए राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय से मुलाकात कर उन्हें महाकुंभ में शामिल होने का आमंत्रण दिया। वहीं, असम के गुवाहाटी में स्टांप एवं पंजीयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवींद्र जायसवाल ने रोडशो का नेतृत्व किया। उन्होंने राजभवन में मणिपुर के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से भेंट कर उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से महाकुंभ 2025 में भाग लेने का निमंत्रण दिया। रोडशो के दौरान प्रेस वार्ता कर मंत्रियों ने लोगों को महाकुम्भ 2025 के ऐतिहासिक आयोजन की जानकारी दी। मंत्रियों ने कहा कि आगामी 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम तट पर प्रयागराज में महाकुम्भ का भव्य आयोजन होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इसे दिव्य, भव्य और पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए विशेष तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे महाकुंभ 2025 में भाग लेकर न केवल आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त करें, बल्कि भारतीय संस्कृति और परंपराओं को करीब से जानने का अवसर भी प्राप्त करें।

अटल जी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का गौरव बढ़ाया- रक्षा मंत्री

लखनऊ, 24 दिसंबर। भारत रत्न और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्म शताब्दी की पूर्व संध्या पर लखनऊ में 'अटल गीत गंगा' कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस विशेष अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अटल जी के साथ अपनी स्मृतियों को साझा किया। उन्होंने कहा कि अटल जी ने भारत का गौरव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उपस्थित लोगों से एक मिनट का मौन रखकर अटल जी को श्रद्धांजलि देने की अपील की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि मैं इसे अपना सौभाग्य मानता हूं कि मुझे उसी लखनऊ संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला, जिसे अटल जी ने लंबे समय तक अपनी सेवा से गौरवान्वित किया। उनकी दृष्टि और लखनऊ के प्रति उनकी योजनाओं से मैं भली-भांति परिचित हूं। वे न केवल एक महान नेता थे, बल्कि उनके व्यक्तित्व और कृतित्व ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का गौरव बढ़ाया। राजनाथ सिंह ने अटल जी को याद करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री रहते हुए उन्होंने लखनऊ के विकास के लिए व्यक्तिगत रूप से उनसे चर्चा की थी। वे चाहते थे कि लखनऊ भारत के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक गौरव का प्रतीक बने। इस दौरान रक्षा मंत्री ने कवि कुमार विश्वास की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी कविता के माध्यम से अटल जी के व्यक्तित्व को जीवंत करना एक बड़ी बात है।

भारतीय किसान यूनियन भानू ने 10 सूत्रीय ज्ञापन उप जिलाधिकारी को सौंपा

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

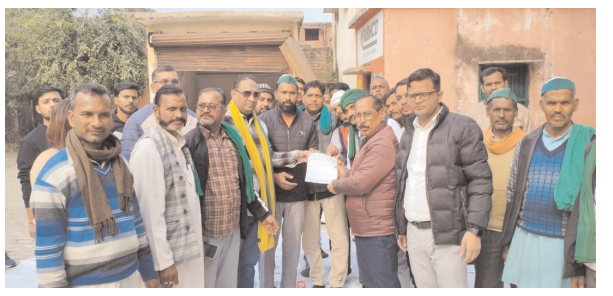

हसनपुर। मंगलवार को भारतीय किसान यूनियन भानू की मासिक पंचायत आयोजित की गई जिसके बाद संगठन के लोगों ने 10 सूत्रीय ज्ञापन उप जिला अधिकारी कार्यालय पर तहसीलदार को सोपा, ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया गया कि किसानों की जमीन की ऑनलाइन खतौनी में हुई गड़बड़ी की गई है उसे तुरंत सही कराया जाए, घरेलू विद्युत कनेक्शन का बिल अत्यधिक निकाला जा रहा है जिन्हें तत्काल सही कराया जाए, एवं मीटर रीडरों पर शक्ति की जाए, पात्र व्यक्तियों के राशन कार्ड शीघ्र शीघ्र बनाए जाएं, सत्र 2024 /25 में गन्ने का रेट450 रुपए प्रति कुंतल घोषित किया जाए, आवारा पशु खूंखार कुत्तों व बंदरों को पड़कर उनकी व्यवस्था की जाए एवं सांडों के हमले से मरने वाले किसान को 10 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाए, मनोज कुमार कुशवाहा विद्युत मीटर लेब बिजली घर हसनपुर में तैनात जिनका व्यवहार किसानों के प्रति सही नहीं है उनका स्थानांतरण किया जाए एवं हर घर जल योजना के अंतर्गत गांव में पानी की टंकी बनी हुई है लेकिन चालू नहीं है तथा काम पूरा कर कर चालू कराई जाए, हसनपुर बायपास मार्ग पर रोडी बदरपुर को सड़क किनारे डालकर किरय विक्रय करने वाले लोगों द्वारा किए जा रहे अतिक्रमण को तत्काल हटाया जाए तथा किसान आयोग का गठन किया जाए , ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से राजीव चौहान उर्फ बब्बू, लोकेश चौहान, जितेंद्र सिंह, लव कुश कुमार, जमशेद चौधरी, हाशिम चौधरी, परविंदर सिंह ,पूजा चौधरी ,मदन पाल, कलुआ, गोविंद सिंह चौहान, विशाल चौधरी, परविंदर, शराफत अली आदि सहित संख्या में भारतीय किसान यूनियन भानू के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अटल बिहारी वाजपेयी जी के 100 वें जनमोत्स्व पर सैल्यूट तिरंगा द्वारा अटल तिरंगा सम्मान का होगा भव्य आयोजन: रोमी चौधरी

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

अमरोहा। अटल तिरंगा सम्मान के कार्डिनेटर व उत्तर प्रदेश अध्यक्ष रूपेंद्र सिंह रोमी ने बताया की देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी जी के 100 वे जन्मदिवस पर सैल्यूट तिरंगा दिल्ली में भव्य समारोह कर रहा है जिसमे मुख्य अतिथि के तौर पर स्वामी चिदानन्द सरस्वती ओर विशिष्ठ अथिति के रूप में कोल एंड माइन्स केंद्रीय मंत्री सतीश दुबे, अजय टम्टा मंत्री भारत सरकार,दिल्ली सांसद मनोज तिवारी, चित्तौड़गढ़ सांसद सी पी जोशी, सांसद महेश भट्ट पूर्व केंद्रीय मंत्री जनरल वी के सिंह एवं उदघाटन की बेला में दिल्ली सांसद बांसुरी स्वराज, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ भाजपा के राष्ट्रीय संयोजक राजेन्द्र फड़के और अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम संयोजक सच्चिदानंद पोखरियाल सह संयोजक रवि चिकारा होंगे नन्दन झा, चित्रा दलाल, पायल झा, वंदना सोनी,साधना सिंह, निशा सोलंकी, लालू चोपाल तथा कोर कमेटी ने पूरे देश से विभिन्न क्षेत्रों के विशिष्ठ प्रतिभावान लोगों का चयन किया है जिन्हें अटल तिरंगा सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में अनेक कैबिनेट मिनिस्टर, धर्म गुरु, ब्यूरोक्रेटस और समाज सेवी भाग लेंगे। कार्यक्रम में पूरे देश के विभिन्न राज्यों, विदेशों से संगठन के सभी पदाधिकारी अपनी टीम सहित सम्मान समारोह में शामिल होंगे।

आखिर किसके सह पर प्रधानाध्यापक पर नहीं हो रही है कार्रवाई

तौफीक खान संवाददाता बस्ती

बस्ती। गौर नोनिहाल बच्चों की भविष्य ऐसे कब तक खराब होती रहेगी ऐसे कब तक प्रधान जी अधिकारियों के चौखट खटखटाते रहेंगे लगभग 15 दिन पूर्व में जिलाधिकारी से भी लिखित शिकायत की थी उसके बाद भी प्रधानाध्यापक के ऊपर कोई कार्रवाई न होना चर्चा का विषय बना हुआ है प्रधान जी अगर आपने गलती से स्कूल ना आने वाले गुरुजी से कारण पूछ लिया तो आप से ही पूछ लेंगे कि आप कौन होते हैं हमारी हाजिरी लेने वाले एक हेड मास्टर में प्रधान जी को ही उनकी हैसियत बता दिया स्कूली बच्चे कह रहे हैं कि गुरु जी दो दिन से नहीं आ रहे हैं और गुरु जी का आने का कोई समय सीमा भी नहीं है कभी 12:00 आते हैं कभी 2:00 आते हैं और कभी-कभी हाजिरी लगाकर चले जाते हैं मामला विकासखंड गौर के ग्राम पंचायत सुजिया प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक अनूप कुमार सिंह का है लोगो लोगो और प्रधान जी की माने तो यह अपने मनमर्जी से विद्यालय में आ जा रहे हैं कभी-कभी तो आते ही नहीं है प्रधान जी ने इनकी शिकायत उच्च अधिकारियों से भी की है लेकिन इनके ऊपर कोई कार्रवाई न होना चर्च का विषय बना है।

अटल जी ने पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की अन्त्योदय परिकल्पना को धरातल उतारा- सीएम योगी

लखनऊ, 24 दिसंबर। भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में दो दिवसीय 'अटल स्वास्थ्य मेला' का उद्घाटन लखनऊ के दिलकुशा लॉन में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। इस अवसर पर लखनऊ में 662 करोड़ रुपये की लागत से 181 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अटल जी पांच बार लखनऊ से सांसद रहे। उन्होंने देश की राजनीति को अस्थिरता से स्थिरता की ओर अग्रसर किया और पं. दीनदयान उपाध्याय की अन्त्योदय परिकल्पना को साकार किया। उनके कार्यों की प्रेरणा से आज यह 'अटल स्वास्थ्य मेला' गरीबों और जरूरतमंदों को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान कर रहा है। सीएम योगी ने कहा कि अटल जी के नेतृत्व में 1998-99 में स्वास्थ्य मेलों की शुरूआत हुई थी, जो बीच में बाधित हो गई थी। अब इस परंपरा को पुनर्जीवित करते हुए पिछले पांच वर्षों से 'अटल स्वास्थ्य मेला' का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 2020 से 2023 के बीच इस मेले से 50 हजार से अधिक लोगों ने लाभ प्राप्त किया है।

सीएम योगी ने की रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की जमकर प्रशंसा

सीएम योगी ने अटल जी को भारतीय राजनीति का 'अजातशत्रु' बताते हुए कहा कि उनकी सहजता और सरलता ने सभी वर्गों का दिल जीता। उन्होंने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में लखनऊ का सर्वांगीण विकास हो रहा है। सीएम योगी ने कहा कि आज रक्षा मंत्री ने 662 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास कर लखनऊवासियों को बड़ी सौगात दी है। सीएम योगी ने कहा कि मेले में कृत्रिम अंग, ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर और ब्लाइंड स्टिक जैसे सहायक उपकरण वितरित किए जा रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए किए गए प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि दिव्यांगजनों की पेंशन बढ़ाकर 12,000 रुपये सालाना कर दी गई है और उपकरण वितरण के लिए व्यापक कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

आंबेडकर विरोधी है कांग्रेस की फितरत: सीएम योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, 24 दिसंबर: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अपने सरकारी आवास पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान कांग्रेस और अन्य पार्टियों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की फितरत हमेशा आंबेडकर विरोधी रही है। ये समाज को विभाजित करने के लिए राजनीति करना चाहते हैं। सीएम ने कहा कि कांग्रेस का इतिहास दलितों को वंचित रखना रहा है। तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू नहीं चाहते थे कि बाबा साहेब संविधान समिति का हिस्सा बनें। यूपीए सरकार में बाबा साहेब के चित्र को नेहरू द्वारा कोड़े मारते दिखाया गया था। इसके लिए तत्कालीन मानव संसाधन मंत्री कपिल सिब्बल को माफी मांगनी पड़ी थी।

नेहरू को मुसलमानों की चिंता थी, दलित और वंचित की नहीं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस ने बाबा साहेब को चुनाव हराया था। कांग्रेस नहीं चाहती थी कि बाबा साहेब लोकसभा में जाएं। कांग्रेस ने कभी भी बाबा साहेब के परिनिर्वाण के बाद स्मारक नहीं बनने दिया। बाबा साहेब ने इस्तीफा देते समय कांग्रेस पर आरोप लगाया था कि कांग्रेस और नेहरू को वंचितों-दलितों की नहीं, मुसलमान की चिंता है। वंचितों और दलितों के लिए आंदोलन को आगे बढ़ाने वाले बाबा साहेब को लोकसभा की किसी समिति का सदस्य नहीं बनाया गया। उन्होंने कहा कि देश की आजादी के आंदोलन, संविधान निर्माण और स्वतंत्र भारत में बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर का बड़ा योगदान था। वह भारत माता के महान सपूत थे। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में तमाम प्रकार के सामाजिक बंधनों का सामना करते हुए उच्च शिक्षा अर्जित की। उन्होंने अर्थव्यवस्था और कानून के क्षेत्र में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ डिग्री अर्जित की। उन्होंने भारत को अपने उस ज्ञान से आलोकित करने में अपनी पूरी ताकत लगाई।

अटल जी का जीवन और विचारधारा पूरे देश के लिए प्रेरणा स्रोत है- रक्षा मंत्री

लखनऊ, 24 दिसंबर। भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित 'अटल युवा महाकुंभ' के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अटल जी के अद्वितीय व्यक्तित्व और उनके साथ जुड़ी स्मृतियों को साझा किया। इस अवसर पर उन्होंने अटल जी की महानता का स्मरण करते हुए प्रदेश के विकास में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि अटल जी का जीवन और विचारधारा आज भी प्रेरणा के स्रोत हैं। रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में कहा, "श्रध्येय अटल जी का व्यक्तित्व इतना विराट था कि उनकी कार्यशैली और निर्णयों की पूरी दुनिया कायल थी। लखनऊ अटल जी के दिल में बसता था और यहां के लोग उन्हें उतनी ही गहराई से जानते और समझते थे।" उन्होंने अटल जी के जीवन के अनेक प्रसंगों को याद करते हुए उनकी हाजिरजवाबी और सहजता का जिक्र किया। उन्होंने पाकिस्तान दौरे के दौरान अटल जी के चर्चित जवाब को याद करते हुए कहा, "एक महिला पत्रकार ने जब उनसे कहा कि मैं आपसे शादी करना चाहती हूं, बशर्ते आप मुझे मुंह दिखाई में कश्मीर दें, तो अटल जी ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, 'मैं तैयार हूं, अगर आप दहेज में पूरा पाकिस्तान दें।' इस जवाब ने उनकी चतुराई और सहजता को पूरी दुनिया के सामने प्रस्तुत किया।" रक्षा मंत्री ने अटल जी के साथ अपने व्यक्तिगत अनुभवों को साझा करते हुए कहा, "मुझे उनके साथ एक अभिभावक का स्नेह और मंत्रिमंडल में सहकर्मी के रूप में काम करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उनकी सरकार जब एक वोट से गिरी, तब उनके ऐतिहासिक भाषण ने लोकतंत्र और देशप्रेम की नई परिभाषा गढ़ी। उन्होंने कहा था, 'सरकारें आएंगी-जाएंगी, पार्टियां बनेंगी-बिगड़ेंगी, लेकिन यह देश और इसका लोकतंत्र अमर रहना चाहिए।' यह उनकी दूरदर्शिता और सिद्धांतवाद का प्रमाण था।" कार्यक्रम में बच्चों द्वारा अटल जी के जीवन पर प्रस्तुत की गई झांकियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रक्षा मंत्री ने भरपूर सराहना की। उन्होंने इसे नई पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक बताते हुए कहा, "अटल जी के विचार और योगदान आज भी युवाओं के लिए पथ प्रदर्शक हैं।" मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा, "आज उत्तर प्रदेश विकास के हर पैमाने पर देश के अन्य राज्यों से आगे खड़ा है। सीएम योगी के कुशल नेतृत्व और अथक प्रयासों ने यूपी को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। यह प्रदेश अटल जी के सपनों का साकार रूप बनता जा रहा है।

विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल पूरनपुर में नवीन प्रधानाचार्य अजय गौङ ने अपना कार्यभार ग्रहण किया।

लोकतंत्र की शान
संवाददाता मंजीत शर्मा पीलीभीत

पीलीभीत पूरनपुर। विद्या भारती द्वारा संचालित रामस्वरूप रामदुलारी सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल पूरनपुर में नवीन प्रधानाचार्य अजय गौङ ने अपना कार्यभार ग्रहण किया। अजय गौङ को प्रधानाचार्य पद का दायित्व विद्यालय के प्रबंधक केशव कुमार गुप्ता व कोषाध्यक्ष अनुराग गुप्ता ने ग्रहण कराया। प्रबंधक जी ने अजय गौङ के बारे में बताया कि वह सरस्वती विद्या मंदिर नबावगंज में प्रधानाचार्य पद पर कार्यरत थे, वर्तमान में विद्या भारती द्वारा इन्हें अपने विद्यालय स्थानांतरित किया गया है। नवनियुक्त प्रधानाचार्य अजय गौङ ने विद्यालय में सभी आचार्यो को संबोधित करते हुए कहा कि अनुशासन व परिश्रम के द्वारा हम बड़ी से बड़ी सफलता प्राप्त कर सकते है, साथ ही नवीन प्रधानाचार्य जी ने प्रबंध समिति को आश्वाशन दिलाया कि आने वाले दिनों मे विद्यालय को नई ऊँचाईयों पर लेकर जायेंगे। विद्यालय प्रबंध समिति तथा सभी विद्यालय परिवार ने नवीन प्रधानाचार्य को शुभकामनाएं प्रेषित की।

अंबाला

नारायणगढ़ समाधान शिविर में एसडीएम के आगे 8 समस्याएं आई

समाधन शिविर में समस्याएं सुनते एसडीएम।

नारायणगढ़ : एसडीएम शाश्वत सांगवान ने उपमण्डल स्तर पर आयोजित समाधान शिविर में लोगों की समस्याएं सुनी और सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए। समाधान शिविर में आठ समस्याएं आई जिनमें गांव जौली के छोटूराम ने राशन कार्ड से सम्बंधितए गांव नबीपुर के राममूर्ति ने परिवार पहचान पत्र व वृद्धावस्था पैंशन से सम्बंधितए बाकरपुर के अजैब सिंह तथा इन्द्रजीत कौर ने परिवार पहचान पत्र में आय अधिक होने से सम्बंधितए गांव दनौरा के मलकित सिंह ने खेतों से गुजरी रही बिजली की तारों को ऊपर उठाने बारेए गांव पंजलासा के मेहरचंद ने वृद्धावस्था पैंशन से सम्बंधित अपनी समस्या रखी। आयुष्मान कार्ड बनने पर सतपाल सिंह ने सरकार व प्रशासन का धन्यवाद करते हुए एसडीएम शाश्वत सांगवान की भी सराहना की। इस अवसर पर नायब तहसीलदार संजीव अत्रि, एएसआर संजय खन्ना, स्टैनों नवीन सैनी सहित नगरपालिका, बिजली निगम तथा जनस्वास्थ्य सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

परमेश्वर ने हमेशा दीन दुखियों की सेवा करने का भाव इंसानों में पैदा किया : डॉ. सादिक

अंबाला शहर में जरूरतमंद बच्चों को उपहार बांटते फिलाडेल्फिया हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. सादिक व अन्य स्टाफ सदस्य।

अंबाला शहर : अंबाला शहर के फिलाडेल्फिया हॉस्पिटल ने मानवता की मिसाल कायम करते हुए पूरे स्टाफ एवं जीएनएम की छात्राओं के द्वारा बीते कई दिनों से विभिन्न प्रकार के गिफ्ट जमा किए गए थे, जिनको देर रात निकाली गई संध्या फेरी के दौरान सभी स्टाफ सदस्यों व छात्राओं ने घरों में जाकर कैरोल्स गाए व प्रभु यीशु के जन्म की खुशियां एक दुसरे से बांटी, वहीं सड़क किनारे रहने वाले गरीब बच्चों के बीच रुक कर उनके हाल चाल बारे जानकारी हासिल कर उनके साथ गीत गाते हुए सभी गिफ्ट उनको बांटे। इस मौके पर मिशन अस्पताल के निदेशक डॉ. सुनील सादिक ने कहा कि परमेश्वर ने अपने पुत्र को एक उपहार की तरह दुनिया को दिया, ये हमारा फर्ज कि बदले में उसके बनाए गए इंसानों की मदद करते रहना चाहिए। जिस प्रकार स्टाफ और छात्राओं ने गिफ्ट जमा किए और सबको बांटे वह एक सराहनीय कार्य रहा। इस दौरान झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले बच्चों को विभिन्न प्रकार के गिफ्ट बांटे गए, जिससे उन बच्चों के चेहरों पर एक अनोखी मुस्कान देखने को मिल रही थी। उपहार प्राप्त करने पश्चात सभी बच्चों में खुशी का माहौल रहा।

भ्रमण में मनोरंजन और खेल कौशल के सागर में गोता लगाते द एसडी विद्या के विद्यार्थी

मनोरंजन भ्रमण के दौरान द एस डी विद्या के विद्यार्थी।

अम्बाला छावनी : द एस डी विद्या में कक्षा दूसरी से कक्षा पाँचवी तक के विद्यार्थियों के लिए मनोरंजन भ्रमण का आयोजन किया गया। यह भ्रमण हॉप उप में किया गया। जहां पर बच्चों ने कई प्रकार के खेलों में भाग लिया। इन में सब से ज्यादा रॉक क्लाइम्बिंग, ट्रैम्पोलिन्स, वीआर गेम्स, आर्केड गेम्स जैसे खेलों में भाग लेकर बच्चों ने आनंद लिया।विद्यार्थियों ने इस मनोरंजन भ्रमण में खेल कूद के साथ साथ अपने साथियों के साथ भावनात्मक रूप से शामिल होकर इस अवसर का लाभ उठाया। इस कार्यक्रम को आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य बच्चों को कक्षा के बाहर अपने साथियों और शिक्षकों के साथ संवाद करने के अवसर देकर उनके सामाजिक और भावनात्मक कौशल विकसित करने में मदद करना है।

विद्यालय की निर्देशक प्राचार्य नीलइंद्रजीत कौर संधू , डायरेक्टर प्राथमिक विंग और कोऑर्डिनेटर टॉडलर्स विंग अनूरूप जौहल ने यह आयोजन बच्चों के शरीरिक और मानसिक विकास के लिए किया ।

मीडिया वेलबिंग एसोसिएशन अंबाला यूनिट के नव निर्वाचित पदाधिकारियों ने की मंत्री अनिल विज से मुलाकात

अम्बाला छावनी : मीडिया वेलबिंग एसोसिएशन अंबाला यूनिट के नव निर्वाचित पदाधिकारियों ने नवनिर्वाचित प्रधान राजीव ऋषि की अध्यक्षता में हरियाणा के ऊर्जा एवं परिवहन मंत्री अनिल विज से मुलाकात की । इस दौरान एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रधान और राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष तरुण कपूर व संरक्षक विशेष रूप से मौजूद रहे। मंत्री अनिल विज ने एसोसिएशन के नव निर्वाचित प्रधान राजीव ऋषि को शाल और बुके देकर बधाई दी। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने भी मंत्री अनिल विज को शाल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर अनिल विज ने एसोसिएशन की नई चुनी हुई कार्यकारिणी को बधाई देते हुए कहा कि एसोसिएशन पत्रकारों के हित में अच्छे कार्य कर रही है। मेरा सहयोग पहले भी एसोसिएशन के साथ रहा है और आगे भी हमेशा रहेगा। नवनिर्वाचित प्रधान राजीव ऋषि ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी व जिला के पत्रकारों का धन्यवाद करते हुए कहा कि वह पत्रकारों के हित के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। इस अवसर पर जिला उप प्रधान अमन कपूर, महासचिव मेंहदीरत्ता, कोषाध्यक्ष पीयूष जैन, हनी वर्मा,राजकुमार शर्मा, रवि पाहुजा, सुरेंद्र शर्मा, राहुल जाखड़, मनोज सभरवाल सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

रैली के माध्यम से दिया नशे से दूर रहने का संदेश

- नशे के प्रति शून्य सहिष्णुता रखनी होगी: डॉ अनुपमा आर्य

रैली के माध्यम से नशे से दूर रहने का संदेश देते विद्यार्थी।

अम्बाला छावनी, दिसंबर : आर्य गर्ल्ज कॉलेज, अंबाला छावनी में नशीले पदार्थों के सेवन की रोकथाम के लिए नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत नशा मुक्ति सैल द्वारा जागरूता रैली का सफल आयोजन किया गया। इस रैली का आयोजन हरियाणा सरकार के दिशा-निर्देश अनुसार किया गया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. अनुपमा आर्य ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि समाज में नशे की बढ़ती समस्या के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से इस रैली का आयोजन किया गया है। नशे से मुक्ति पाने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी है। नशे से बचने के लिए केवल कानूनी या सरकारी कदमों की ही आवश्यकता नहीं है, बल्कि यह एक सामाजिक और व्यक्तिगत जिम्मेदारी भी है। समाज का प्रत्येक सदस्य यदि अपनी भूमिका निभाता है तो नशे की समस्या पर काबू पाया जा सकता है।

कोर्डिनेटर डॉ. रेखा वासु ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति पर ही नहीं, बल्कि पूरे समाज पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। रैली के अंत में यह संकल्प लिया गया कि नशे के खिलाफ जन जागरूकता अभियान जारी रहेगा और समाज में नशा मुक्त वातावरण बनाने के लिए मिलकर काम किया जाएगा। नशा मुक्ति अभियान रैली में लगभग 100 छात्राओं ने भाग लिया। इस अवसर पर डॉ अंजू बाला, प्रो. सिल्वी अग्रवाल, डॉ. सरिता चौधरी, डॉ. अमनदीप मक्कड़, डॉ. शचि शुक्ला, डॉ. अनु वर्मा, श्रीमती कमलेश गोयल तथा अन्य स्टाफ दस्य मौजूद रहे।

दिल्ली में झूठ बोलने की रेस लगा, केजरीवाल चाहते है कि वे आगे निकल जाएं आतिशी चाहती है वे आगे निकल जाएं : विज

मंत्री अनिल विज।

अम्बाला छावनी, दिसंबर : पंचकूला में 3 हत्याओं से सवाल पर कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि मुख्यमंत्री पूरे तरीके से इस पर नजर रख रहे हैं और इस तरह की घटनाएं न हो पूरी तरह से कोशिश की जा रही है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे द्वारा ब्यान दिया गया है कि भाजपा ने चुनाव आयोग की अखंडता को सुनियोजित ढंग से खत्म कर दिया है जिस पर मंत्री अनिल विज ने कहा आरोप किसी आधार पर होना चाहिए अपने मन की सोच पर नही होना चाहिए। वे किस आधार पर ऐसा बोल रहे हैं। उन्हें बताना चाहिए। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के आरोपी कि भाजपा पूर्वांचलियों की तुलना बांग्लादेशियों से कर रही है पर मंत्री अनिल विज ने जवाब देते हुए कहा दिल्ली में आजकल झूठ बोलने की रेस लग रही है जिसमें केजरीवाल चाहते है कि वे आगे निकल जाएं आतिशी चाहती है वे आगे निकल जाएं। इसलिए वे तरह तरह की बातें कर लोगों को गुमराह कर रहे हैं। किसान नेता डल्लेवाल की तबीयत बिगड़ने के मामले में मंत्री अनिल विज ने कहा कि यह मामला पंजाब का है। उन्हें इस बात का ख्याल रखना चाहिए और किसानों से बात करनी चाहिए।

सैक्टर 7 के साथ लगती 32 एकड़ जमीन की हो जांच : निर्मल सिंह

- भूमाफियों के साथ मिलकर शहर डूबाने की तैयारी

निर्मल सिंह, विधायक अंबाला शहर

अंबाला, दिसम्बर : शहर के विधायक निर्मल सिंह ने जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि सेक्टर सात के साथ लगती 32 एकड़ जमीन में सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करके भूमाफियों द्वारा नजायज कब्जा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह जांच का विषय है कि यह सब किस की मिलीभगत के साथ किया जा रहा है। निर्मल सिंह ने कहा कि इस जमीन के जांच का मुद्दा वह विधानसभा में भी उठाएंगे क्योंकि इस जमीन में हुड्डा की जमीन के साथ साथ हरियाणा रोडवेज की 10 एकड़ जमीन भी है इसकी जांच रोडवेज डिपार्टमेंट भी कराये कि जिस जमीन पर भूमाफिया द्वारा कब्जा किया जा रहा है यह जमीन इन लोगों के नाम कैसे की गई । उन्होंने कहा कि यह जमीन हुड्डा विभाग के मास्टर प्लान में पानी की निकासी व सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के लिए दर्शाई गई है तो आज किस की शह पर इस जमीन प्लान चेंज किया जा रहा है। निर्मल सिंह ने कहा की अम्बाला में पानी की निकासी पहले से ही बहुत खराब है। थोड़ी से बरसात में शहर पानी से डूब जाता है और अगर यह निर्माण कार्य न रोका गया तो सेक्टर सात, विजय नगर, प्रेम नगर, इंदर नगर आदि इलाके पहले से ज्यादा पानी में डूबेंगे। जिसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि इस जगह में सेक्टर सात प्रेमनगर विजय नगर आदि इलाकों की पानी की निकासी के लिए इस 32 एकड़ जमीन में सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण के लिए जल्द ही मुख्यमंत्री को मिलकर एक पत्र भी देंगे।

पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला के निधन पर नारायणगढ़ की विधायक सहित कार्यकर्ताओं ने नमन किया

पूर्व प्रधानमंत्री चरण सिंह की जयंती व पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला के निधन पर नमन करते विधायक शैली चौधरी सहित कार्यकर्ता

नारायणगढ़, दिसम्बर : नारायणगढ़ की विधायक शैली चौधरी जी ने कार्यकर्ताओ सहित नारायणगढ़ उपमंडल में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती पर उनकी फोटो पर फुल माला डालकर उन्हे श्रद्धापूर्वक शत शत नमन कर उन्हे याद करते हुए कहा कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री एवं किसानों के कल्याण के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले किसान मसीहा थें और उन्होने कहा था कि देश की खुशहाली का रास्ता गांव और खेतों से होकर गुजरता है।इस अवसर पर विरेन्द्र सोमा, गुरविन्द्र बेरखेडी, संदीप गुज्जर नखडोली, चेयरमैन नीरज शाहपुर, पूर्व वाइस चेयरमैन चमनलाल पंजलासा,बिल्ला डेहर,संजय पंजलासा,बृजमोहन मुन्नामाजरा सहित अन्य कार्यकर्ता व ग्रामीण मौजूद थे।

मुरलीधर डीएवी पब्लिक स्कूल में नवीनीकरण के बाद गणित प्रयोगशाला और एक्टिविटी रूम का उद्घाटन

एक्टिविटी रूम और गणित प्रयोगशाला का उद्घाटन करते प्राचार्य डॉ. राधा रमन सूरी (सवेरा)

अंबाला, दिसम्बर : मुरलीधर डीएवी पब्लिक स्कूल ने अपनी शिक्षा प्रणाली में एक और उत्कृष्ट पहल करते हुए पूर्व प्राथमिक विभाग के अंतर्गत पुराने एक्टिविटी रूम और गणित प्रयोगशाला को नए स्वरूप में प्रस्तुत किया है। इसका उद्घाटन विद्यालय के प्राचार्य डॉ. राधा रमन सूरी और पूर्व प्राथमिक विभाग की समन्वयक अमिता अरोड़ा ने किया। गणित प्रयोगशाला और एक्टिविटी रूम को इस प्रकार डिजाइन किया गया है कि बच्चों के रचनात्मक और बौद्धिक विकास को बढ़ावा मिले। बच्चों के मानसिक विकास और उनकी कल्पनाशीलता को प्रोत्साहित करने के लिए इनमें विभिन्न उपकरण और खेल उपलब्ध कराए गए हैं। एक्टिविटी रूम में बच्चों की मोटर स्किल्स और रचनात्मकता को बढ़ाने के लिए फाइन मोटर स्किल्स गेम्स, ग्रॉस मोटर स्किल्स गेम्स, एक्टिविटी बोर्ड, और पपेट थिएटर जैसी सुविधाओं को शामिल किया गया है। गणित प्रयोगशाला में बच्चों के लिए अबेकस, कार्यात्मक मॉडल्स, घड़ी के वर्किंग मॉडल, विभिन्न आकृतियां, स्थान मान मॉडल, विषम-समान मॉडल, भिन्न मॉडल, स्किप काउंटिंग मॉडल, और अंक खेल जैसे शैक्षिक उपकरण उपलब्ध हैं। इन उपकरणों के माध्यम से बच्चों को गणितीय अवधारणाओं को सहज और रोचक तरीके से समझने का अवसर मिलेगा।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. राधा रमन सूरी ने कहा, मुरलीधर डीएवी पब्लिक स्कूल बच्चों की समग्र शिक्षा और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रहा है। गणित प्रयोगशाला और एक्टिविटी रूम बच्चों की शिक्षा को रुचिकर और प्रभावी बनाने में मील का पत्थर साबित होंगे। मुरलीधर डीएवी पब्लिक स्कूल का यह कदम शिक्षा के क्षेत्र में नवीनतम मानकों को स्थापित करने और बच्चों की प्रतिभा को निखारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

नेशनल जिम्नास्टिक प्रतियोगिता में अम्बाला से 10 लड़के व 4 लड़कियों का चयन

नेशनल जिम्नास्टिक प्रतियोगिता में चयन किए गए अम्बाला के खिलाड़ी।

अम्बाला छावनी, दिसंबर : नैशनल जिम्नास्टिक प्रतियोगिता जो कि सूरत गुजरात में 25 दिसंबर से 04 जनवरी तक होने जा रही है इसमें हरियाणा जिम्नास्टिक टीम भी भाग लेने जा रही है। जिसमें प्रदेश के सभी जिलों के चुनिंदा खिलाड़ी हैं जिनका चयन नवंबर माह के अंत में गुरुग्राम में हरियाणा जिम्नास्टिक संघ के अध्यक्ष सूरजपाल अम्मू की देखरेख में करवाया गया । जिसमें अंबाला के जिम्नास्टिक खिलाड़ियों ने भी अपना दमखम दिखाया और 10 लड़के व 04 लड़कियों ने सिलेक्शन लिया। अंबाला जिले के इन खिलाड़ियों में अंतराष्ट्रीय खिलाड़ी योगेश्वर के अलाबा साहिल यादव, जतिंदर चावला, कुनाल यादव,इशांत यादव, ईशान, पंशुल, मंथन, गौरव, सारांश और लड़कियों में महक, कीर्ति, मुस्कान व रिदमीक जिमनास्ट जानवी मल्होत्रा शामिल हैं।

अंबाला के इन खिलाड़ियों के अतिरिक्त 05 अन्य खिलाड़ी जोकि भिवानी, गुड़गांव व हिसार से आकर पिछले 6 महीने से अम्बाला कोचों की देखरेख में अभ्यास कर रहे हैं, की भी इस प्रतियोगिता में सलेक्शन हुआ है। महिला खिलाड़ियों की टीम 23 दिसंबर को गुजरात के लिए रवाना होने जा रही है जबकि पुरुष खिलाड़ी टीम 30 दिसंबर को रवाना होगी। इन खिलाड़ियों के साथ जिम्नास्टिक कोच व अंतराष्ट्रीय जिम्नास्टिक जज सतपाल छाबड़ा भी इस प्रतियोगिता में शामिल होंगे। इनके दोनों कोचों सतपाल व परमजीत ने भरोसा जताया है कि इन सभी खिलाड़ियों ने जमकर अभ्यास किया है और पदक जीतकर अपने जिले व प्रदेश का परचम लहराएंगे। प्रदेश की टीम का प्रतिनिधित्व करने वाले अंबाला के इन सभी जिम्नास्टिक खिलाड़ियों को अंबाला जिम्नास्टिक संघ के चेयरमैन राजेंद्र विज व जिला खेल अधिकारी राजबीर सिंह रंगा ने शाबाशी दे कर इनका हौंसला बढ़ाया और पदक जीतकर कामयाब होने की शुभकामनाएं भी दी।

एड्स की जानकारी ही बचाव है कुछ सावधानियां रख कर एचआईवी और एड्स से जीवन की रक्षा की जा सकती है : एसएमओं

एचआईवी एड्स पर जानकारी देती स्टेट एड्स कंट्रोल सोसायटी पंचकूला की टीम।

नारायणगढ़, दिसम्बर : हरियाणा स्टेट एड्स कंट्रोल सोसायटी पंचकूला द्वारा भेजी गई टीम चाहत कला मंच ने टैक्सी स्टैंड पर तथा डेहा बस्ती में एचआईवी एड्स पर आधारित नुक्कड़ नाटक व गीत गाने के माध्यम से लोगों को एड्स के प्रति जागरूक किया जिसमें एचआईवी फैलने के मुख्य चार कारण बताएं गए और आई सी टी सी सेंटर में लोगों को अपना एचआईवी टेस्ट करवाने की अपील की गई जो सभी सरकारी अस्पतालों में बिल्कुल निरूशुल्क किए जाते हैं।

टोल फ्री नंबर 1097 के बारे में बताया नारायणगढ़ नागरिक अस्पताल से आईसीटीसी काउंसलर ने लोगों से अधिक से अधिक एचआईवी के टेस्ट करवाने की अपील की। इस मौके पर डेहा कल्याण सभा के प्रधान दिलदार सिहं ने कहा कि इस प्रोग्राम से डेहा बस्ती के लोगों को स्वास्थ्य सम्बंधी जानकारी मिली है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम समय.समय पर बस्ती में होने चाहिए।

शहीदी समागम में पहुंचे रागी व ढाडी जत्थों ने वैरागमयी कीर्तन कर संगत को किया भाव विभोर

ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री मंजी साहिब में सफर-ए-शहादत श्रृंखला के अंतर्गत किया शहादत समर्पित समागम

अंबाला शहर के ऐतिहासिक गुरुद्वारा मंजी साहिब में शहादत को समर्पित समागम में संबोधित करते कार्यकारिणी समिति सदस्य तरविन्द्र पाल सिंह।

अंबाला शहर के ऐतिहासिक गुरुद्वारा मंजी साहिब में शहादत को समर्पित समागम में संगतों को निहाल करते रागी जत्थे।

अंबाला शहर के ऐतिहासिक गुरुद्वारा मंजी साहिब में शहादत को समर्पित समागम के दौरान उपस्थित संगत।

अंबाला शहर, दिसंबर : अंबाला शहर के ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री मंजी साहिब में सफर-ए-शहादत श्रृंखला के अंतर्गत साहिब-ए-कमाल श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज, माता गुजर कौर, चार साहिबजादों व समूह शहीदों की शहादत को समर्पित धार्मिक समागम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के प्रधान जत्थेदार भूपिंदर सिंह असंध और धर्म प्रचार चेयरमैन जत्थेदार बलजीत सिंह दादूवाल की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस समागम में श्री दरबार साहिब श्री अमृतसर साहिब से हजूरी रागी भाई जबरतोड़ सिंह, गुरुद्वारा श्री गुरु ग्रंथसर दादू साहिब के हजूरी रागी भाई गुरसेवक सिंह रंगीला और लखविंदर सिंह पारस के ढाडी जत्थे ने संगत को गुरु इतिहास से जोड़ा। इस मौके पर शहीदों को नमन करते हुए शिरोमणि अकाली दल आजाद और धर्म प्रचार चेयरमैन जत्थेदार बलजीत सिंह दादूवाल ने कहा कि दशमेश पिता श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज का कोई भी सानी नहीं है। देश, कौम व धर्म के लिए अपना सरबंस न्यौछावर करने वाला अन्य कोई नहीं है, यह मिसाल केवल साहिब-ए-कमाल ने पेश की, जत्थेदार दादूवाल ने सरबंसदानी श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज द्वारा श्री आंनदपुर साहिब का किला छोड़ने, सरसा नदी पर परिवार से बिछुडना, श्री चमकौर साहिब की गढ़ी, सरहिंद का साका और माछीवाडे के जंगल का इतिहास संगत से सांझा किया। वरिष्ठ उपप्रधान सुदर्शन सिंह सहगल ने कहा कि दशमेश पिता जी ने अत्याचार के खिलाफ, देश व कौम की रक्षा करने के लिए अपना सारा परिवार कुर्बान कर दिया। समागम में धर्म प्रचार चेयरमैन जत्थेदार बलजीत सिंह दादूवाल, संस्था के वरिष्ठ उपप्रधान सुदर्शन सिंह सहगल, कार्यकारिणी समिति सदस्य तरविन्द्र पाल सिंह अंबाला व परमजीत सिंह मक्कड़ कुरुक्षेत्र, सदस्य कैप्टन दिलबाग सिंह, राजिंदर सिंह, हरपाल सिंह, इंद्रजीत सिंह वासुदेवा, प्रवक्ता बेअंत सिंह नलवीं, पूर्व सदस्य तजिंदर सिंह नारनौल और यूएसए विंग के प्रभारी चरण सिंह प्रेमपुरा ने विशेष रूप से अपनी हाजरी भरते हुए शहीदों को नमन किया। मंच का संचालन धर्म प्रचार सचिव सरबजीत सिंह जम्मू व गुरुद्वारा साहिब के हैड ग्रंथी सतनाम सिंह ने किया।

संगत प्रतिदिन अपने बच्चों को गुरुद्वारा साहिबान जरूर लेकर जाए, बच्चों को गुरमत व सिख इतिहास का ज्ञान होगा : तरविन्द्र पाल सिंह

हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमैंट कमेटी कार्यकारिणी समिति सदस्य तरविन्द्र पाल सिंह अंबाला ने साहिबजादा बाबा अजीत सिंह, साहिबजादा बाबा जुझार सिंह द्वारा वीरता व बहादुरी से जंग लड़ने के इतिहास पर कहा कि सर्वप्रथम आने वाली पीड़ितों को गुरुओं की शहादत बारे अवगत करवाना सबसे जरूरी है। संगत को चाहिए कि वह अपने बच्चों को गुरुद्वारा साहिबान प्रतिदिन साथ लेकर जाना चाहिए। यदि हम शहीदी अस्थान श्री फतेहगढ़ साहिब, श्री चमकौर साहिब सहित अन्य ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिबान के दर्शन कराते हुए बच्चों को इतिहास की जानकारी दे, तो बच्चों को गुरमत व सिख इतिहास का ज्ञान हो सकेगा। समागम में विशेष रूप से अतिरिक्त सचिव कुलदीप सिंह भानोखेड़ी, जगतार सिंह बैबलपुर, मनजीत सिंह बबू, प्रीतम सिंह, मैनेजर प्रीतम सिंह, उप मैनेजर अर्जुन सिंह, परमजीत सिंह लाडी, भूपिंदर सिंह, सतिंदर पाल सिंह, इंद्रजीत सिंह, हरनेक सिंह, मोहन सिंह सहित संगत मौजूद रही।

मुख्यमंत्री ने पूर्वी चम्पारण में 114.82 करोड़ की 62 योजनाओं का उद्घाटन एवं 66.30 करोड़ की 42 योजनाओं का शिलान्यास किया

बिहार के सीएम नीतीश कुमार प्रगति यात्रा के प्रथम चरण के दुसरे दिन केसरिया, सुगौली एवं मोतिहारी पहुंचे पहुंचे।

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

बिहार (मोतिहारी)। बिहार राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपनी प्रस्तावित प्रगति यात्रा के प्रथम चरण के दुसरे पड़ाव में मंगलवार को पूर्वी चम्पारण जिले के केसरिया, सुगौली एवं मोतिहारी में विभिन्न 201.12 करोड़ की 104 योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इसमें 114. 82 करोड़ की 62 योजनाएं जो पूर्ण हो चुकी थी, उसका उद्घाटन एवं 86.30 करोड़ की 42 योजनाओं का शुभारंभ के लिए शिलान्यास किया। केसरिया के सुंदरापुर में शैक्षणिक आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड के माध्यम से 97 लाख रुपए से निर्मित नये विद्यालय भवन का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होने विद्यालय में संचालित कम्प्यूटर शिक्षा एवं स्मार्ट क्लास के बारे में जानकारी ली। विद्यालय में आईसीटी के माध्यम से मनोरंजन तरीके से बच्चों को माहौल दिया जाता है। इसके बाद खेल मैदान के अलावा अन्य गतिविधियों के लिए बने संसाधनों का अवलोकन किया। उन्होने विद्यालय मैदान के बेहतर तरीके से तैयारी का निर्देश दिया। जल जीवन हरियाली योजना के तहत तालाब

का उद्घाटन एवं मछली का बीज डाला, इस अवसर पर जीवीका दीदियों को प्रमाण पत्र देते हुए मछली पालन का प्रबंधन सौंपा। मुख्यमंत्री ने विभिन्न स्टॉलो का निरीक्षण किया। उन्होने कहा कि 2006 में हमने जीवीका की शुरूआत की, जिसकी सराहना केन्द्र सरकार करते इसे आजीवका नाम से शुरू किया। जीवीका दीदियों को उन्होने इसे याद रखने को कहा। सीएम ने उन्हे 1 लाख 26 हजार रुपए का 354 जीवीका दीदियों को चेक सौंपा, जो 3 करोड़ 36 लाख रुपए की सहायता दी। सीएम ने उद्यमी योजना की भी प्रशंसा की एवं उनके उत्पादो का अवलोकन किया। ग्रामीण विकास विभाग के तहत स्वच्छ गांव समृद्ध बिहार योजना की जानकारी ली। इस अवसर पर सीएम आवास योजना के तहत 1 लाख 20 सांकेतिक चेक भी दिया। पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग को भी साल निश्चय योजना 2 के तहत आरएएस के लिए 1 लाख 20 हजार रुपए का सांकेतिक चेक दिया। इस अवसर पर मछुआरो को मत्स्य विपणन कीट भी उपलब्ध कराया गया। साथ ही साईकिल, मोटरसाईकिल, तीन पहिया के साथ लगे आईस बॉक्स का भी वितरण किया गया। सीएम ने मशरूम एवं ड्रैगन फ्रूट, कन्या उत्थान योजना के तहत नवजात बच्ची की माता को 2 हजार रुपए का सांकेतिक चेक भी दिया। इस अवसर पर बाल हृदय योजना से स्वस्थ मरीजो से मुलाकात की। वहीं आयुष्मान कार्ड योजना के लाभुको पांच लाख का सांकेतिक चेक दिया गया। सीएम ने 245 भूमिहीन परिवारों को घर के लिए पर्चा भी दिया। साथ ही एससीएसटी अत्याचार पीड़ितो को मुआवजा राशि का सांकेतिक चेक दिया है। सांकेतिक चेक लेने वालो में स्टूडेंट क्रेडिड कार्ड योजना के लाभुक भी शामिल है। इस अवसर पर विद्यालयों में टीएलएम की सामग्री का अवलोकन किया। कृषि विभाग के द्वारा दवा एवं खाद्य की जानकारी ली, कृषि यांत्रिकीकरण योजना के लाभुको को चाबी भी प्रदान की गई। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चैधरी, शिक्षा मंत्री सह प्रभारी मंत्री सुनील कुमार, गन्ना उद्योग मंत्री कृष्णनंदन पासवान, विधायक शालिनी मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि के अतिरिक्त मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा, डीजीपी विनय कुमार, शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव एस. सिद्धार्थ, मुख्यमंत्री के सचिव अनुप कुमार, ग्रामीण विकास के लोकेश कुमार सिंह, सीएम के ओएसडी गोपाल सिंह, बिहार राज्य पुल निर्माण निगम के अध्यक्ष शीर्षत कपिल अशोक, चम्पारण प्रक्षेत्र के डीआईजी जयंतकांत, एसपी स्वर्ण प्रभात सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

पूरी दुनिया तक पहुंचाया जाएगा विश्व शांति एवं मानवता का संदेश।

पवित्र क्रिसमस के अवसर पर सत्याग्रह रिसर्च फाऊंडेशन, मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट ने फिलिस्तीन इजरायल युद्ध एवं यूक्रेन रूस युद्ध समाप्ति के लिए पहल करने एवं प्रार्थना करने के लिए पोप फ्रांसिस से पुनः की अपील।

>>> नफरत, बदले की भावना, हिंसा एवं युद्ध का रास्ता त्याग कर विश्व शांति, अहिंसा एवं मानवता की सेवा को आगे आए समाज के भटके हुए युवा पीढ़ी।

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

बेतिया। क्रिसमस के अवसर पर सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन, मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों ने संयुक्त रूप से की अपील। छात्र-छात्राओं ने लिया विश्व शान्ति, विभिन्न संक्रमण के उन्मूलन, बाल विवाह उन्मूलन, मानवता की रक्षा, अहिंसा, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, सामाजिक सद्भावना एवं विभिन्न सामाजिक कुरीतियों से मुक्ति का संकल्प। क्रिसमस के वार्षिक अवसर पर सचिव सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन डॉ एजाज अहमद, डॉ शाहनवाज अली, डॉ अमित कुमार लोहिया, वरिष्ठ पत्रकार सह संस्थापक मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट डॉ अमानुल हक ,सामाजिक कार्यकर्ता नवीदू चतुवेर्दी, पश्चिम चंपारण कला मंच की संयोजक शाहीन परवीन ने

संयुक्त रूप से हजरत ईसा मसीह , हजरत मूसा, हजरत मोहम्मद एवं दुनिया भर में मानवता के लिए काम करने वाले विभूतियों को क्रिसमस डे की शुभ अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि प्रत्येक वर्ष क्रिसमस का त्यौहार दुनिया भर में मनाया जाता है। अत्याचारों से मुक्ति, विश्व शांति, मानवता ,अहिंसा एवं सामाजिक कुरीतियों से मुक्ति के लिए हजरत ईसा मसीह ने आज ही के दिन लगभग 2024 वर्ष पहले जन्म हुआ था। इस अवसर पर डॉ एजाज अहमद,डॉ शाहनवाज अली, प्रज्ञान अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ सुरेश कुमार अग्रवाल जाने-माने सामाजिक कार्यकर्ता नवीदू चतुवेर्दी ने संयुक्त रूप से कहा कि आज पूरा विश्व ,युद्ध एवं हिंसा से जूझ रहा है। हजरत ईसा मसीह, हजरत मुसा एवं हजरत मोहम्मद के आदर्शों एवं मूल्यों से ही विश्व में स्थाई शांति लाई जा सकती है। । इस अवसर पर वक्ताओं ने छात्र छात्राओं को विश्व शांति , नये संक्रमण के? उन्मूलन, अहिंसा, स्वच्छता ,पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन की रोकथाम, बाल श्रम की रोकथाम, सिमा पार मानव व्यापार रोकथाम, घरेलू हिंसा की रोकथाम एवं विभिन्न सामाजिक कुरीतियां से मुक्ति का संकल्प दिलाते हुए इस अवसर पर वक्ताओं ने विश्व की नई पीढ़ी से आह्वान करते हुए कहा कि हिंसा एवं युद्ध छोड़कर मुख्यधारा में शामिल हो समाज के भटके हुए युवा पीढ़ी। आधुनिक सभ्य समाज में हिंसा एवं युद्ध के लिए कोई जगह नहीं है। जटिल समस्याओं का हल शांतिपूर्ण तरीके से आपसी बातचीत से ही संभव है। विश्व शांति एवं मानवता की रक्षा के लिए हजरत ईसा मसीह हजरत मुसा, हजरत मुहम्मद के विचार प्रासंगिक है ,जिससे मानव जाति को युद्ध एवं हिंसा से बचाया जा सकता है। इस अवसर पर वक्ताओं ने को पोप फ्रांसिस एवं विश्व बिरादरी से अपील करते हुए कहा कि जल्द से जल्द युक्रेन एवं रूस युद्ध समाप्ति हो, इजराइल फिलिस्तीन संघर्ष की समाप्ति हो, पश्चिम एशिया समेत पूरे विश्व में शांति के लिए सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन , मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट एवं सामाजिक संगठनों द्वारा पोप फ्रांसिस एवं विश्व के लोगों से प्रार्थना करने की? अपील करते हुए कहा कि चीन समेत विश्व के अनेक देशों में आम जनमानस नए संक्रमण से जूझ रहे हैं।हम अपनों को खो रहे हैं । हम सबको मिलकर पुनः इस नए दानव से मानव जीवन को बचाना होगा।

गांधी मैदान में तीन तीन मेला में मोबाइल गुम होने की शिकायत से परेशान है थाना - सरस मेला में पत्रकार राजकिशोर सिंह का हुआ मोबाईल गुम

जितेन्द्र कुमार सिन्हा,

पटना, 23 दिसम्बर :: पटना के गांधी मैदान में डिजनीलैंड मेला, किसान मेला और सरस मेला चल रहा है। तीनों मेला में आम जनता की भीड़ चल रही है। इस भीड़ में मोबाइल गुम होने की घटना तेज है। प्रतिदिन गांधी मैदान थाना में इसकी शिकायत हो रही है। उक्त जानकारी लब्ध प्रतिष्ठित पत्रकार राजकिशोर सिंह ने दी। २उन्होंने बताया कि वे स्वयं सरस मेला के न्यूज कवरेज के लिए गया था। कवरेज के क्रम में मेला परिसर में लगे स्टॉल का भ्रमण कर रहे थे। भ्रमण के क्रम में पॉकेट से कब किसी ने मोबाइल निकाल लिया, पता ही नहीं चला। इस घटना का शिकायत दर्ज करने जब गांधी मैदान थाना पहुंचे तो देखा कि दो तीन लोग मोबाइल गुम होने की शिकायत दर्ज कराने के लिए बैठे हैं। वे लोग बताए कि मेला परिसर

में ही उनका मोबाइल कब और कैसे गुम हुआ पता ही नहीं चला। श्री सिंह ने बताया कि थाना प्रभारी ने बताया कि तीन तीन मेला गांधी मैदान में चल रहा है और प्रतिदिन तीनों मेला की घटना को मिलाकर लगभग 100 मोबाइल गुम होने की शिकायत मिल रही है। मोबाइल गुम होने की घटना से परेशान हैं। उन्होंने बताया कि उनका मोबाईल गुम होने की सूचना लिखित रूप में थाना को दी गई। जिसमें दो सिम कार्ड लगा रहने, मोबाइल क्रय की कागजात आदि दर्ज किया गया है। श्री सिंह का कहना है कि मेला परिसर में सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त रखना चाहिए ताकि आम जनता को किसी तरह की कठिनाई न हो, जिस प्रकार मेरे साथ हुआ है।

बिहार में बदलाव के लिए समग्र प्रयास की जरूरतः कुशवाहा

आर.के.राय/ वरिष्ठ पत्रकार।

खगडिया, 24 दिसंबर 2024 (एजेंसी)। उद्योगपति से समाजसेवी बने निशिकांत सिन्हा कुशवाहा ने आज कहा कि बिहार में बदलाव के लिए सभी तबके के लोगों को आगे आना होगा एवं समग्र प्रयास करने होंगे। श्री कुशवाहा ने यहां कोशी कालेज मैदान में आयोजित जन आशीर्वाद संवाद सभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि बिहार कई कारणों से विकास में पिछड़ गया है। इसका सबसे बड़ा कारण राजनीतिक इक्षा शक्ति है। पिछले 5-6 वर्षो से राज्य के जरूरत मंद लोगों की

सेवा करने का दावा करते हुए श्री कुशवाहा ने कहा कि वह इसी तरह राज्य के सभी जिलों में संवाद के उपरान्त अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव के संबंध में कोई निर्णय लेंगे। उल्लेखनीय है, कि एनडीए एवं महागठबंधन दलों, चुनावी रणनीतिकार रहे प्रशांत किशोर, कभी नीतीश कुमार के खास सहयोगी रहे आरसीपी सिंह के अलावा अब बिहार के नवादा निवासी श्री कुशवाहा भी इस जन अभियान में कूद पड़े हैं। पिछले 22 दिसंबर को उनका पटेल मैदान समस्तीपुर में कार्यक्रम था। एल.एस.

बिहार राज्य के राज्यपाल बने आरिफ मोहम्मद खान, विश्वनाथ अर्लेकर को केरल का राज्यपाल बनाया गया

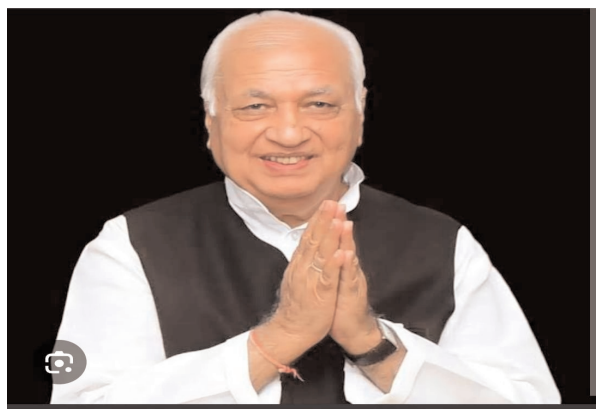

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

पटना। भारत सरकार बिहार सहित कई राज्यों के राज्यपाल को बदल दिया है। केरल के राज्यपाल की जिम्मेदारी संभाल रहे आरिफ मोहम्मद खान को बिहार का नया राज्यपाल बनाया गया है। वहीं बिहार के राज्यपाल विश्नवाथ अर्लेकर को केरल का गवर्नर नियुक्त किया गया है। इसी तरह जनरल विजय कुमार सिंह को मिजोरम का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। वहीं ओडिसा के राज्यपाल को भी बदल दिया गया है। हरि बाबू कंभापति को ओडिसा का गवर्नर बनाया गया है। वहीं अजय कुमार भल्ला को मणिपुर का राज्यपाल बनाया गया।

सीएचसी में नि:शुल्क नेत्र शिविर का आयोजन

■ कोंच

राजकीय मेडिकल कालेज उरई द्वारा निःशुल्क मोतियाबिन्द नेत्र शिविर का आयोजित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में किया गया।

सुबह 10 बजे से लेकर अपरान्ह 2 बजे तक चले शिविर में नेत्र विशेषज्ञ डॉ अमित कुमार, वरिष्ठ नेत्र अधिकारी डॉ एसके सक्सेना और डॉ कमलेश ने 140 नेत्र रोगियों का परीक्षण

किया जिनको आवश्यक दवा दी गयी और उन्हें नेत्रों के प्रति एहतियात बरतने की सलाह दी। 11 रोगियों में मोतियाबिंद की शिकायत पायी गयी जिनका ऑपरेशन किया जाएगा। शिविर की व्यवस्थाओं में नवनीत कुमार, शिवम प्रजापति, अंशुल कुमार आदि शामिल रहे।

जल संचय को बढ़ावा देने के लिए चलाया जा रहा है कैच द रेन अभियानः जिलाधिकारी

■ उरई

जनपद में सुशासन सप्ताह के अंतर्गत प्रशासन गांव की ओर जल संचयन जन भागीदारी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जल संकट के समाधान के लिए जनभागीदारी को बढ़ावा देना है। यह कार्यक्रम राजकीय मेडिकल कॉलेज के सभागार में आयोजित हुआ, जिसमें अपर सचिव/मिशन निदेशक जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार अर्चना वर्मा ने उपस्थित होकर जल

संचयन के महत्व पर विचार साझा किए।

उत्तर प्रदेश जल निगम के प्रबंध निदेशक राजशेखर व मंडल आयुक्त झांसी विमल कुमार दुबे, उप महानिरीक्षक केशव चौधरी ने भी अपने संबोधन में जल संरक्षण के विभिन्न पहलुओं पर जोर दिया।

जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम अनुरागी, सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, विधान परिषद सदस्य रमा निरंजन ने भी अपने संबोधन में जल सरंक्षण, जल संचयन पर अपने विचार रखे। अध्यक्षता कर रहे उमाशंकर पाण्डेय पदम श्री ने कहा कि जल संचयन में जन भागीदारी, भविष्य के लिए सामुहिक प्रयास की आवश्यकता है।

सेठ बद्रीप्रसाद महाविद्यालय में खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ

खेलकूद स्वास्थ के लिए जरूरी हैः कोतवाल

■ कोंच

सेठ बद्री प्रसाद ग्रुप ऑफ कालेज में 13 वां युवा महोत्सव और वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताएं आरंभ हुई।प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार राय ने मुख्य अतिथि के रूप में माँ सरस्वती का पूजन कर और फीता काटकर महोत्सव का शुभारंभ किया। कालेज के कॉर्डिनेटर कन्हैया नीखर, प्रभारी प्राचार्य बृजेंद्र सिंह ने प्रभारी निरीक्षक सहित खेड़ा चौकी प्रभारी संतराम कुशवाहा का बैज लगाकर और सिर पर कैप पहनाकर स्वागत सम्मान किया जबकि प्रभारी निरीक्षक ने प्रतियोगिताओं के निर्णायकों को कैप और सिटी पहनायी। छात्रा अशिका ने हांथों में मशाल थाम मैदान का चक्कर लगाया। इस दौरान उपस्थित छात्र छात्राओं, अभिभावकों एवं गणमान्य नागरिकों के बीच अपने

विचार व्यक्त करते हुए प्रभारी निरीक्षक ने कहा कि खेलकूद से मानसिक, शारीरिक और रचनात्मक विकास होता है। बद्री प्रसाद कालेज द्वारा छात्र छात्राओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए जो आयोजन किया गया है वह सराहनीय है। संचालन मृदुल दांतरे, मनस्वी पाल और अमन सक्सेना ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर प्राचार्या डॉ सावित्री गुप्ता, प्रतियोगिता संयोजक डॉ सरताज खान, सह संयोजक राघवेन्द्र पटेल, मनोज श्रीवास्तव, राधेश्याम, सौम्या सचान, पूनम, धर्मेंद्र पटेल, रामदेव, इशांत सिंह, संतोष, सचिन गुर्जर जुझारपुरा आदि उपस्थित रहे।

ऊंची कूद बालक वर्ग में यथार्थ तिवारी प्रथम, शैलेन्द्र कुमार द्वितीय, सत्येंद्र कुमार और विजय पाल संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहे। लंबी कूद बालक वर्ग में अभय कुमार प्रथम, यथार्थ तिवारी द्वितीय, शैलेन्द्र कुमार तृतीय स्थान पर रहे। लंबी कूद बालिका वर्ग में रक्षा कुमारी ने प्रथम, राधा कुमारी ने द्वितीय स्थान हासिल किया। भाला भेंक बालक वर्ग में रामजी प्रथम, विजय पाल द्वितीय और प्रभाकर तृतीय स्थान पर रहे। डिस्कस थ्रो में बड़े ने प्रथम, सत्येंद्र ने द्वितीय और निशांत ने तृतीय स्थान हासिल किया।

कबड्डी बालक वर्ग का एक मैच सेठ बद्री प्रसाद कॉलिज फार्मेसी विभाग और सेठ बद्री प्रसाद आईटीआई के छात्रों की टीमों के मध्य हुआ जिसमें आईटीआई के छात्रों की टीम ने जीत हासिल की। दूसरा मैच सामी इंटर कॉलिज और सेठ बद्री प्रसाद कॉलिज के छात्रों की टीम के बीच हुआ जिसमें सामी की टीम को हार का सामना करना पडा। बालिका वर्ग कबड्डी मैच में सुनाया गाँव के स्कूल की छात्राओं ने बद्री प्रसाद कॉलिज की छात्राओं की टीम को शिकस्त दी। रैफरी और निर्णायक की भूमिका में विनय झा, संतोष और वीरेंद्र रहे।

प्रमोद कुमार पचौरी को मातृ शोक

उरई। ग्वालियर स्वदेश के वरिष्ठ पत्रकार प्रमोद कुमार पचौरी की माताजी श्रीमती रामकिशोरी पचौरी का रविवार को निधन हो गया। 96 वर्षीय स्व.पचौरी कुछ समय से अस्वस्थ थीं। उनका अंतिम संस्कार पैतृक गांव खैरी जिला जालौन उत्तर प्रदेश में सोमवार को किया गया। मुखाग्नि उनके बड़े बेटे अवतार कृष्ण पचौरी ने दी।

स्व.रामकिशोरी अपने पीछे अवतार कृष्ण, धीरेन्द्र कुमार, मनोज कुमार, प्रमोद कुमार, अनूप कुमार (पुत्रगण), कुशमा दुहोलिया (पुत्री) सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गई हैं। स्वदेश परिवार ने श्री पचौरी की माताजी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान देने और शोक संतप्त परिवार को गहन दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

एसडीएम ने तहसील का निरीक्षण कर अभिलेख देखे

■ कोंच

तहसील कार्यालय का निरीक्षण कर उपजिलाधिकारी ने व्यवस्थायें देखी। इस दौरान मौजूद किसानों से उन्होंने बातचीत कर उनकी समस्यायें जानी। एसडीएम ज्योति सिंह ने तहसीलदार जितेंद्र सिंह के साथ तहसील कार्यालय का निरीक्षण करते हुए अभिलेखों के रख-रखाव को देखा। उन्होंने अभिलेखों को दुरुस्त रखने और

लंबित कार्यों को शीघ्र ही पूरा किये जाने के निर्देश अधीनस्थ कर्मियों को दिए। एसडीएम ने निर्देश दिए कि जरूरी सभी फीडिंग कार्य समय से करें इसमें लापरवाही न बरतें अन्यथा कि स्थिति में संबंधित कर्मचारी के खिलाफ कठोर कार्यवाही की जाएगी। इस दौरान तहसील कार्यालय में मौजूद कुछ किसानों से भी एसडीएम ने बातचीत कर उनकी समस्यायें सुनी। एसडीएम ने किसानों को अपना सीयूजी मोबाइल नंबर नोट कराते हुए कहा कि समस्या शिकायत होने पर उन्हें बताएँ।

सार समाचार

यूक्रेन ने तेल डिपो पर किया ड्रोन हमला

कीव। यूक्रेन ने रूस के एक अहम तेल डिपो पर ड्रोन हमला किया। रूस की ऊर्जा शृंखला को ध्वस्त करने के प्रयासों के तहत यूक्रेन की तरफ से किया गया यह हफ्ते भर के भीतर दूसरा हमला है। दक्षिणी ओर्योल के गवर्नर एंड्रेय क्लाइचकोव ने टेलीग्राम संदेश में बताया कि स्टैलनोय कॉन तेल टर्मिनल में यूक्रेन के ड्रोन हमले के बाद आग धधक उठी। उन्होंने बताया कि यूक्रेन की तरफ से क्षेत्र में भेजे 20 ड्रोन को पता लगाकर नष्ट कर दिया गया। तेल डिपो में लगी आग को भी थोड़ी देर बाद बुझा दिया गया।

खैबर पख्तूनख्वा में 11 संदिग्ध आतंकवादी ढेर

इस्लामाबाद। सुरक्षा बलों ने अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में दो अभियानों में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के एक कमांडर सहित 11 संदिग्ध आतंकवादियों को मार गिराया। आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद खैबर जिले की अशांत तिराह घाटी और लक्की मरवत जिले में ये अभियान संचालित किए गए। आतंकवादियों का एक समूह पीर मेला के रास्ते तिराह घाटी से आगे बढ़ रहा था, तभी सुरक्षा बलों ने उन्हें रोक लिया।

बांग्लादेश में मुक्ति योद्धा का अपमान

ढाका। बांग्लादेश में एक स्वतंत्रता सेनानी (मुक्ति योद्धा) के साथ शर्मनाक हरकत हुई है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें स्वतंत्रता सेनानी अब्दुल हई कानु को जूतों की माला पहनाकर उनके गांव कुमिल्ला में घुमाया गया। यह घटना यूनुस सरकार के दौरान हुई है, जिसने बांग्लादेश की सांस्कृतिक और सामाजिक स्थिति को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। वायरल वीडियो में दिख रहा है कि अब्दुल हई कानु, जो कुमिल्ला के चौदहग्राम स्थित लुदियारा गांव के निवासी हैं, जूतों की माला पहने हुए हैं।

अमेरिकी मॉल में घुसा ट्रक, 5 घायल

टेक्सास। अमेरिका के टेक्सास राज्य में पुलिस ने उससे भागकर माल में घुसे पिकअप ट्रक चालक को मार गिराया। इस दौरान पांच लोग घायल हो गए। पुलिस से भाग रहा यह पिकअप ट्रक चालक टेक्सास में जेसीपीनी स्टोर के दरवाजे से तेजी से गुजरा और एक भरे मॉल में घुस गया। टेक्सास डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक सेफ्टी के सार्जेंट ब्रायन के मुताबिक, ट्रक करीब 5.30 बजे किलीन में डिपार्टमेंट स्टोर से टकराया।

सोना तस्करी के आरोप में नेपाल में दो भारतीय गिरफ्तार

काठमांडू। नेपाल में दो भारतीय नागरिकों को सोना तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए भारतीयों के पास से 549.2 ग्राम सोना जब्त किया है। नेपाल पुलिस ने बताया कि कैलाली जिसे से गिरफ्तार भारतीय नागरिकों की पहचान दीपक गुप्ता (44) और सुमित बर्मा (34) के रूप में हुई है।

भारतीय सेना के उप प्रमुख ने पूर्व राष्ट्रपति को दी श्रद्धांजलि

वितनाम। भारतीय सेना के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि हनोई में वियतनाम पीपुल्स आर्मी की 80वीं वर्षगांठ समारोह में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने वियतनाम के पूर्व राष्ट्रपति हो ची मिन्ह को हनोई में उनके मकबरे पर श्रद्धांजलि दी। भारतीय सेना के अतिरिक्त जन सूचना महानिदेशालय ने सोशल मीडिया पर एक बयान में यह जानकारी दी।

वैज्ञानिकों का क्रिसमस पर दुनिया को खास तोहफा

अद्भुत उपलब्धि उन्नत फॉरेंसिक तकनीकों की मदद से संभव हो सकी

1700 वर्षों बाद सामने आया सांता क्लॉज़ का असली चेहरा

एजेंसी, लंदन

बचपन में सांता क्लॉज की कई कहानियाँ सुनने वाले अक्सर सोचते थे कि क्या सांता क्लॉज़ सच में एक व्यक्ति थे या केवल एक काल्पनिक पात्र। अब, 1700 वर्षों में पहली बार, वैज्ञानिकों ने उस ऐतिहासिक व्यक्ति सेंट निकोलस ऑफ मायरा का असली चेहरा फिर से बनाया है, जिनसे सांता क्लॉज़ की प्रेरणा ली गई थी। यह अद्भुत उपलब्धि उन्नत फॉरेंसिक तकनीकों की मदद से संभव हो सकी है। संत निकोलस, जो प्रारंभिक ईसाई धर्मगुरु थे, अपने दयालु और उपहार देने वाले स्वभाव के कारण प्रसिद्ध थे। यही गुण समय के साथ उन्हें सांता क्लॉज़ के रूप में चित्रित करने का आधार बना। धीरे-धीरे क्रिसमस पर उपहारों के आदान-प्रदान की परंपरा से सांता क्लॉज़ का जुड़ाव गहरा होता गया। आज, सेंट निकोलस का वास्तविक चेहरा पूरी दुनिया के सामने आया है।

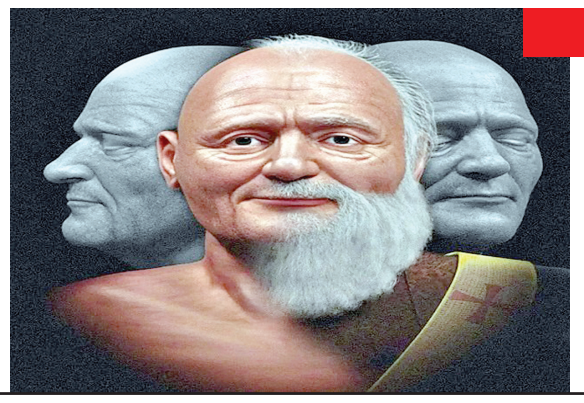

कैसा दिखता है असली सांता क्लॉज़?

सिसेरो मोरेस ने अपने इंस्टाग्राम पर सेंट निकोलस की 3डी तस्वीरें साझा कीं। तस्वीरों में उनकी नाक गोल, होंठ पतले और माथा बड़ा नजर आता है। चेहरा मजबूत और कोमलता का अनूठा मिश्रण दर्शाता है।

सेंट निकोलस: एक ऐतिहासिक झलक

343 ई. में संत निकोलस का निधन हो गया था, जब तस्वीरें खींचने की तकनीक भी नहीं थी। वे डच लोककथा के पात्र सिंटरक्लास की प्रेरणा बने, जो सिर्फ अच्छे बच्चों को उपहार देते थे। समय के साथ, यह चरित्र अंग्रेजी फादर क्रिसमस के साथ मिलकर आधुनिक सांता क्लॉज़ में परिवर्तित हो गया। इस नए शोध और 3डी तस्वीरों ने सेंट निकोलस के व्यक्तित्व और सांता क्लॉज़ की परंपरा को एक नई पहचान दी है।

खोपड़ी से मिले डेटा का फॉरेंसिक विश्लेषण

ब्रिटिश अख़बार मिरर की रिपोर्ट के अनुसार, वैज्ञानिकों ने सेंट निकोलस की खोपड़ी से मिले डेटा का फॉरेंसिक विश्लेषण किया और उनके चेहरे को डिजिटल रूप से फिर से बनाया। अध्ययन का नेतृत्व करने वाले सिसेरो मोरेस ने कहा कि संत निकोलस का चेहरा मजबूत और प्रभावशाली दिखता है। 1823 में प्रकाशित प्रसिद्ध कविता ए विज़िट फ्रॉम सेंट निकोलस में वर्णित चेहरे और उनकी घनी दाढ़ी की छवि सटीक रूप से इस नए फॉरेंसिक मॉडल से मेल खाती है।

डीपीआरके में बच्चों की शिक्षा

कोरिया। नवंबर 1989 में बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन को अपनाया गया था। बच्चों के अधिकारों की रक्षा एक महत्वपूर्ण मुद्दा है जो देशों के भविष्य के लिए निर्णायक है। बच्चों को महत्व देना तथा उनके अधिकारों और हितों को प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित करना कोरिया लोकतांत्रिक जनवादी गणराज्य की एक सुसंगत नीति है। राज्य सभी बच्चों को 12 साल की निःशुल्क अनिवार्य शिक्षा प्रदान करता है। सार्वभौमिक 12 वर्षीय अनिवार्य शिक्षा एक ऐसी प्रणाली है जिसमें एक वर्षीय प्री-स्कूल कोर्स, पांच वर्षीय प्राथमिक विद्यालय पाठ्यक्रम और छह वर्षीय मिडिल स्कूल पाठ्यक्रम शामिल है। यहाँ ध्यान देने योग्य बात यह है कि यह एक उन्नत अनिवार्य शिक्षा प्रणाली है जिसके तहत सभी बच्चों को तब तक शिक्षा मिलती है जब तक वे काम करने की उम्र तक नहीं पहुँच जाते, यह एक जन-उन्मुख प्रणाली है जिसके तहत राज्य उन्हें शिक्षित करने का सारा खर्च वहन करता है। इस कानूनी सुरक्षा के कारण, सभी कोरियाई बच्चे राज्य द्वारा प्रदान की गई उत्कृष्ट शैक्षिक स्थितियों के तहत अपनी इच्छानुसार सीखते हैं। देश में कई टापू हैं, जिनमें लाइटकीपर सहित बहुत कम लोग रहते हैं। हैरानी की बात यह है कि ऐसे टापू में बिना किसी अपवाद के एक स्कूल है। देश की शिक्षा प्रणाली का हिस्सा है कि टापू में कई बच्चों के लिए एक स्कूल बनाया जाए और एक शिक्षक को भेजा जाए। यह एक ऐसी प्रणाली है जो बच्चों के माता-पिता द्वारा सुरक्षा के अधिकारों को ध्यान में रखती है। ऐसी शिक्षा प्रणाली किसी अन्य देश में मिलना मुश्किल है। निम्नलिखित तथ्य स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि देश बच्चों की शिक्षा को कितना महत्व देता है। जुलाई के अंत में जब देश के उत्तरी भाग के कई इलाके बाढ़ से प्रभावित हुए, तो राज्य ने प्रभावित क्षेत्रों के बच्चों पर उदारता से काम किया। कोरिया की सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी और सरकार ने पीड़ितों के लिए घर बनाने के लिए राष्ट्रीय प्रयासों का निर्देश दिया। लेकिन जैसा कि उम्मीद थी कि आवास निर्माण को पूरा करने और पीड़ितों के जीवन को स्थिर करने में दो या तीन महीने लगेंगे, उन्होंने पीड़ित परिवारों के सभी छात्रों और अन्य बच्चों को प्योंगयांग लाने और उन्हें पूरी तरह से राज्य के खर्च पर सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण में देखभाल और शिक्षा प्रदान करने का महत्वपूर्ण उपाय किया। तदनुसार, आपदा क्षेत्रों में बच्चे राज्य की देखभाल के तहत प्योंगयांग में बिना किसी रुकावट के शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं।

स्थानीय मीडिया के अनुसार, बाढ़ पीड़ित परिवारों में प्रीस्कूलर की संख्या 2,190 से अधिक तथा छात्र की संख्या 4,380 से अधिक है।

एक और तथ्य है जिसे नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

देश में सभी आवश्यक कदम उठाए जाते हैं ताकि सभी छात्रों को पढ़ाई में कोई परेशानी न हो। यह देश भर के सभी बच्चों को कम कीमत पर बैग, नोटबुक, स्कूल की चीजें और अन्य सामान उपलब्ध कराता है।

विज्ञापन लोड हो रहा है...

Education of Children in DPRK

Korea. In November 1989 the UN Convention on the Rights of the Child was adopted. Protecting children's rights is an important issue which is decisive of the future of countries It is a consistent policy of the Democratic People's Republic of Korea to attach importance to children and ensure their rights and interests on a preferential basis.

The state provides 12-year free compulsory education to all the children. The universal 12-year compulsory education is a system consisting of one-year preschool course, five-year primary school course and six-year middle school course. What is worthy of note here is that it is an advanced compulsory education system whereby all the children receive education until they reach working age, a people-oriented system whereby the state bears all the expenses for educating them. Thanks to this legal protection, all the Korean children learn to their heart's content under excellent educational conditions provided by the state.The country has many islets inhabited by a small number of persons including lightkeepers. Surprisingly, there is a school in such an islet without exception. It is part of the country's education system to build a school for several children in the islet and send a teacher. This is a system which takes into consideration the rights of children to the protection by their parents. Such an educational system would be hard to find in any other countries. The following fact clearly shows how much importance the country gives to the education of children. When several areas in the northern part of the country were afflicted by flooding in late July, the state bestowed benevolence on the children in the stricken areas. The ruling Workers' Party of Korea and the government directed national efforts to building houses for the victims. But as it was expected two or three months would be needed to complete the housing construction and stabilize the living of the victims, they took a crucial measure of bringing all the students and other children of the afflicted families to Pyongyang and providing them with care and education in a safe and convenient environment entirely at state expense. Accordingly, the children in the disaster areas could receive education without interruption in Pyongyang under the care of the state.

According to the local media, among the families of flood victims preschoolers numbered more than 2 190, students over 4 380. There is another fact that should not be overlooked. The country takes all necessary measures so that all students will have no difficulties in their studying. It provides satchels, notebooks, school things and other items to all the children across the country at low prices, virtually free of charge.

पाक में गंभीर आर्थिक संकट और बेरोजगारी का दौर

अब पाकिस्तान की वैश्विक बेइज्जती खाड़ी देश वीजा देने से कर रहे इन्कार

एजेंसी, इस्लामाबाद

पाकिस्तान गंभीर आर्थिक संकट, बढ़ती महंगाई, और बेरोजगारी के दौर से गुजर रहा है। देश के युवाओं के पास रोजगार के अवसर नहीं हैं, और अर्थव्यवस्था पूरी तरह से चरमराई हुई है। इसी बीच, खाड़ी देशों से एक और बड़ा झटका सामने आया है-सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात ने पाकिस्तानी नागरिकों को वीजा देने से इनकार कर दिया है। पाकिस्तानी नागरिकों के प्रति खाड़ी देशों का रवैया अब कड़ा हो गया है। इसके पीछे कई प्रमुख कारण हैं। खाड़ी देशों के नियोक्ता पाकिस्तानी श्रमिकों के काम और व्यवहार से नाखुश हैं।

पाकिस्तानी नागरिकों पर भीख मांगने, मानव तस्करी, और मादक पदार्थों की तस्करी जैसे गंभीर आरोप लगते रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तानी श्रमिकों की छवि खाड़ी देशों में लगातार खराब हो रही है। हर साल करीब 8 लाख पाकिस्तानी खाड़ी देशों में काम की तलाश में वीजा के लिए आवेदन करते हैं। दुबई और अबू धाबी जैसे शहर हमेशा से उनकी पसंदीदा जगह रहे हैं। लेकिन हालिया प्रतिबंध ने उनके सपनों पर पानी फेर दिया है। पाकिस्तान पहले सऊदी और यूएई जैसे मुस्लिम देशों से खैरात पर निर्भर था। लेकिन अब हालात इतने खराब हो गए हैं कि ये देश पाकिस्तान से दूरी बनाने की कोशिश कर रहे हैं। मुस्लिम ब्रदरहुड के नाम पर मिलने वाली मदद अब लगभग बंद हो चुकी है। अपराध और खाड़ी देशों में पाकिस्तानी नागरिकों पर भीख मांगने और अन्य अपराधों में शामिल होने के आरोपों ने उनकी छवि को नुकसान पहुंचाया है। खाड़ी देशों के लोग और नियोक्ता पाकिस्तानी श्रमिकों के व्यवहार से असंतुष्ट हैं। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था कई सालों से गिरावट का शिकार है। सरकार चाहे किसी भी पार्टी की रही हो, देश हमेशा कर्ज और सहायता पर निर्भर रहा है। देश की आर्थिक स्थिति इतनी खराब है कि अधिकारी और मंत्री भीख मांगने के लिए विभिन्न देशों और बैंकों के चक्कर काट रहे हैं। अर्थव्यवस्था पूरी तरह से आईसीयू में है, और सुधार के कोई संकेत नजर नहीं आ रहे। खाड़ी देशों का यह फैसला पाकिस्तान के लिए एक बड़ा झटका है। न केवल श्रमिकों के रोजगार पर असर पड़ेगा, बल्कि यह देश की पहले से बिगड़ी छवि को और खराब करेगा।

बाइडेन ने मृत्युदंड का सामना कर रहे 37 लोगों को दिया जीवनदान

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने सोमवार को घोषणा की है वह मृत्युदंड की सजा का सामना कर रहे 40 में से 37 लोगों की सजा को आजीवन कारावास में बदल रहे हैं। यह घोषणा अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पदभार ग्रहण करने से महज कुछ सप्ताह पहले की गई है, जो मृत्युदंड के मुखर समर्थक हैं। बाइडेन का यह कदम पुलिस और सैन्य अधिकारियों, संघीय भूमि पर रहने वाले लोगों की हत्या और घातक बैंक डकैतियों या नशीले पदार्थों के सौदों में शामिल लोगों के साथ-साथ संघीय इकाइयों में सुरक्षा गार्ड या कैदियों की हत्याओं में दोषी पाए गए लोगों को जीवन दान प्रदान करता है। बाइडेन ने एक बयान में कहा, ''मैंने अपना करियर हिंसक अपराध को कमतर करने और निष्पक्ष और प्रभावी न्याय प्रणाली सुनिश्चित करने के लिए समर्पित किया है। आज, मैं संघीय मृत्युदंड की सजा पाए 40 व्यक्तियों में से 37 की सजा को पैरोल की संभावना के बिना आजीवन कारावास में बदल रहा हूं।

1982 में ब्रिटेन में हुई थी शरिया अदालतों की शुरुआत

ब्रिटेन में चल रहीं 85 शरिया अदालतें धर्मनिरपेक्ष संगठनों ने जताई चिंता

एजेंसी, लंदन

ब्रिटेन में इस वक्त 85 शरिया अदालतें चल रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि ब्रिटेन, पश्चिम की इस्लामिक राजधानी बनकर उभर रहा है। इन शरिया अदालतों का ब्रिटेन में रहने वाले मुस्लिम समुदाय पर खासा प्रभाव है। ये शरिया अदालतें शादी, तलाक और पारिवारिक मामलों पर अपने फैसले देती हैं। नेशनल सेक्युलर सोसाइटी ने न्याय व्यवस्था के समानांतर एक और धार्मिक न्याय व्यवस्था के खड़ा होने पर चिंता जताई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ब्रिटेन में पहली बार साल 1982 में शरिया अदालत की शुरुआत हुई थी और आज इनकी संख्या बढ़कर 85 हो गई है। गौरतलब है कि ब्रिटेन में निकाह मुताह या 'आनंद के लिए शादी' का चलन भी तेजी से बढ़ रहा है। निकाह मुताह के अंतर्गत तीन दिन से लेकर एक साल तक के लिए अस्थायी शादी चलती है। इसे घोर महिला विरोधी प्रथा माना जाता है।

ब्रिटेन में एक लाख शादियां गैर पंजीकृत

शरिया अदालतों में इस्लामिक स्कॉलर्स का पैनल होता है, जिनमें अधिकतर पुरुष होते हैं। ये एक अनौपचारिक निकाय है, जो धार्मिक मामलों और निकाह, तलाक और खुला के मामलों में अपने फैसले देते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ब्रिटेन में एक लाख शादियां नागरिक अधिकारियों के पास पंजीकृत नहीं हैं। माना जाता है कि ये शादिया शरिया अदालतों में हुई हैं। नेशनल सेक्युलर सोसाइटी नामक एक संगठन ने ब्रिटेन में सामान्य न्याय व्यवस्था के साथ ही एक गैर औपचारिक न्याय व्यवस्था के काम करने पर चिंता जाहिर की और कहा है कि इसका भविष्य में गंभीर असर पड़ेगा। सोसाइटी के मुख्य कार्यकारी स्टीफन इवांस ने चेतावनी देते हुए कहा है कि शरिया अदालतें सभी के लिए एक कानून के सिद्धांत को कमजोर करती हैं और महिलाओं, बच्चों के अधिकारों पर विपरीत असर डालती हैं। उल्लेखनीय है कि ब्रिटेन में हाल के वर्षों में तेजी से मुस्लिम जनसंख्या बढ़ी है।

वॉशिंगटन और डोनाल्ड ट्रंप के साथ काम करना छोड़ा

इवांका ने राजनीति से बना ली दूरी, ट्रंप सरकार में नहीं होंगी शामिल

एजेंसी, न्यूयॉर्क

अमेरिका का नवनिर्वाचित राष्ट्रपति की बेटी इवांका ट्रंप ने राजनीति से दूरी बना ली है। इवांका अपने पिता डोनाल्ड ट्रंप की नई सरकार में शामिल नहीं हुई। हालांकि इवांका इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप के लिए बहुत से काम किए हैं। इवांका ने डोनाल्ड ट्रंप के रियल एस्टेट बिजनेस में होटल का डिजाइन तैयार किया है, रियलिटी टीवी शो के बोर्डरूम में शामिल हुई, पिता के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान उनका प्रचार किया। यहां तक की डोनाल्ड ट्रंप के पहले राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान इवांका उनकी सलाहकार के तौर पर वेस्ट विंग में काम कर रही थीं। लेकिन, जनवरी 2021 में इवांका ने वॉशिंगटन और डोनाल्ड ट्रंप के साथ काम करना छोड़ दिया रिपोर्ट के मुताबिक, इवांका ट्रंप ने राजनीति से दूरी बना ली और कहा कि वह अब राजनीति में वापस नहीं आएंगी। 2022 में डोनाल्ड ट्रंप के तीसरी बार अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव लड़ने की घोषणा के बाद इवांका ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा था, "मैं अपने पिता से बहुत प्यार करती हूं। लेकिन इस बार मैं अपने छोटे बच्चों और अपने परिवार के साथ निजी जीवन को प्राथमिकता देने का विकल्प चुन रही हूं। मैं राजनीति में शामिल होने की योजना नहीं बना रही हूं।

इवांका ने अपनाई अलग जीवनशैली

इवांका ट्रंप को डोनाल्ड ट्रंप के लिए गए फैसलों पर लगातार जांच और आलोचना का सामना करना पड़ा था। हालांकि वह उन फैसलों को प्रभावित करने या कंट्रोल करने में पूरी तरह असमर्थ थी। न्यूयॉर्क में उनके दोस्तों ने भी ट्रंप के कारण उनसे दूरी बना ली थी। इसलिए इवांका ने राजनीति से हटकर अलग जीवनशैली अपनाने का फैसला किया।

पिता के बेहद करीब है इवांका

रिपोर्ट में एक करीबी सूत्र के हवाले से बताया कि इवांका अपने पिता डोनाल्ड ट्रंप के बेहद करीब हैं और उनके साथ नियमित रूप से बातचीत करतीं हैं। इवांका पर्दे के पीछे से कई मुद्दों पर अनौपचारिक तौर पर सलाह देना जारी रख सकती हैं। द लेक्स फ्रिडमैन पॉडकास्ट के साथ जुलाई महीने में हुई बातचीत के दौरान इवांका ने कहा था, "राजनीति एक बहुत अंधकारमयी दुनिया है। इसमें काफी अंधकार है, बहुत सारी नकारत्मकता है और एक इंसान के रूप में यह मेरे लिए बिल्कुल विपरीत है। इसलिए मैं अपने और अपने परिवार के लिए इसमें भाग नहीं चाहती हूं।

ईरानी सुप्रीम नेता की धमकी

हमें किसी छद्म सेना की जरूरत नहीं: खामेनेई

एजेंसी, तेहरान

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने रविवार को कहा कि उनके देश की कोई छद्म सेना नहीं है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उन्हें कार्रवाई करनी होगी तो वे खुद कर लेंगे। खामेनेई का यह बयान ऐसे समय आया है, जब कथित ईरान समर्थित हमास और हिजबुल्ला को इस्राइल के खिलाफ लड़ाई में भारी नुकसान उठाना पड़ा है। साथ ही सीरिया की बशर अल असद सरकार को भी ईरान समर्थक माना जाता था, लेकिन अब वहां भी तख्तापलट हो चुका है। यमन के हूती विद्रोहियों को भी ईरान का समर्थन मिलने का दावा किया जाता है। रविवार को तेहरान में ईरान के सुप्रीम नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने लोगों के एक समूह से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि 'इस्लामिक गणराज्य ईरान को किसी छद्म सेना की जरूरत नहीं है। यमन इसलिए लड़ता है क्योंकि उसमें आस्था है। हिजबुल्लाह इसलिए लड़ता है क्योंकि आस्था की शक्ति उसे जंग के मैदान में खींचती है।

संपादकीय

विश्वास का तंज

भारत का संविधान कहता है कि अंतरजातीय और अंतरधार्मिक शादियां की जा सकती हैं। भारत में हमेशा ही अंतरधार्मिक शादियां होती रही हैं। यह सिलसिला पुराना है। बॉलीवुड में यह आम है। भाजपा के मुख्तार अब्बास नकवी और शाहनवाज हुसैन ने हिंदू लड़कियों से शादी की है। सुनीत दत्त और नर्गिस की शादी बहुत कामयाब रही। अब जब 21वीं सदी चल रही है अंतरधार्मिक शादी पर तंज करना सही नहीं है। मेरठ में चल रहे मेरठ महोत्सव में कवि से कथावाचक बने कुमार विश्वास ने एक कवि सम्मेलन के दौरान कुमार कहा कि अपने बच्चों को रामायण, गीता पढ़वाइए। वरना ऐसा न हो कि आपके घर का नाम तो रामायण है और आपके घर की श्रीलक्ष्मी को कोई और उठाकर ले जाए। ऐसा कह कर वे विवाद में फंस गए हैं। उन्हें इशारों में अभिनेता और टीएमसी सांसद शत्रुघ्न सिन्हा की बेटी सोनाक्षी शादी पर कटाक्ष कर दिया। सोनाक्षी सिन्हा ने जहीर इकबाल से शादी की है। दरअसल, अब हर मामले में हिंदू मुसलमान को इतना तूल दिया जाने लगा है कि कवि भी इससे अछूते नहीं रहे। कुमार विश्वास एक अच्छे कवि माने जाते हैं। उनके प्रशसंकों में हिंदू हैं तो मुसलान भी है। कोई कवि हो, शायर हो, अभिनेता है, वह सबका होता है और उन्हें इस तरह के विवाद में नहीं फंसना चाहिए। हालांकि कुमार विश्वास अक्सर कवि सम्मेलनों में कुछ हल्की टिप्पणियां कर देते हैं, लेकिन वे सीधे हिंदू मुसलमान पर उतर आएंगे और एक लड़की पर इसलिए तंज करेंगे, क्योंकि उसने एक मुस्लिम से शादी की है, कुछ ज्यादा ही हल्की टिप्पणी है। टिप्पणी के बाद उनकी आलोचना हो रही है, जो सही भी है। मामले ने राजनीतिक रूप भी ले लिया है। कांग्रेस ने कुमार विश्वास की आलोचना की है। कौन किससे शादी करेगा, किससे नहीं, यह किस नागरिक का निजी मामला है। इस पर टोका टिप्पणी करना सही नहीं है। कुमार विश्वास से माफी मांगने के लिए कहा जा रहा है। दरअसल, उनकी टिप्पणी ऐसी है, जिस पर उन्हें माफी मांगनी ही चाहिए। सुप्रिया श्रीनेत का यह कहना सही है कि लड़की कोई सामान है, जिसे कोई उठाकर ले जाएगा? सस्ती लोकप्रियता पाने के लिए किसी को भी ऐसी बात नहीं कहनी चाहिए, जिससे किसी की भावनाएं आहत होती हों। एक कवि होने नाते कुमार विश्वास देश में ही नहीं, विदेश में भी लोकप्रिय हैं। उनकी हल्की टिप्पणी से उनका ही कद होगा, वे ही आलोचना के घेरे में आएंगे।

सस्ती लोकप्रियता पाने के लिए किसी को भी ऐसी बात नहीं कहनी चाहिए, जिससे किसी की भावनाएं आहत होती हों। कुमार विश्वास देश में ही नहीं, विदेश में भी लोकप्रिय हैं।

पाठकवाणी

तार तार होती सदन की गरिमा

संसद में हंगामा होना अब हमारे देश की पहचान बन चुका है। इस बार तो सारी सीमाएं टूट चुकी हैं। देश की सर्वोच्च संस्था संसद से लेकर ग्राम पंचायत स्तर तक यही माहौल व्याप्त है। इस प्रकार की हंगामेबाजी से संसद की कार्यवाही पर होने वाला खर्च व्यर्थ हो जाता है। संसद में नीतिगत मुद्दों एवं देश की विकास योजनाओं पर बहस करने का विधान है। संसद एवं विधानसभाओं के सत्र अब निर्विघ्न रूप से चलाना नामुमकिन सा होता जा रहा है। माननीय सांसदों को अपने लिए आचार संहिता स्वयं तय करना चाहिए एवं जनता को ऐसा लगना भी चाहिए कि उस पर अमल भी किया जा रहा है। पक्ष विपक्ष के सभी सांसदों को इस मुद्दे पर संजीदगी के विचार करना चाहिए।

-ललित महालकरी, इंदौर

प्रधानमंत्री को सलाम

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कुवैत को द ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर सम्मान, जो सर्वोच्च सम्मान है, से नवाजा गया है। यह पुरस्कार कुवैत सरकार के द्वारा मित्रता के प्रतीक के रूप में दिया जाता है। इन देशों के साथ व्यापार, पर्यटन औद्योगिक साझेदारी बढ़ेगी। भारत की कूटनीतिक राजनीतिक समझ के कारण इन खाड़ी देशों को आतंकवाद के विरुद्ध भारत का समर्थन एक बड़ी जीत है।

-वीरेंद्र कुमार जाटव, दिल्ली

कुछ खास

मोदी जी ने अरविंद जी मनीष जी सतेंद्र जैन जी और मुझे जेल में डाल दिया! लेकिन हम झुके नहीं इसलिए कि जब हम जेल के टीवी देखते थे हमारा कार्यकर्ता सड़क पर लाठी खा रहा है, नारा लगा रहा है, जेल जा रहा है तो हमारा सीना चौड़ा हो जाता था।

-संजय सिंह, आप सांसद

आज का ट्वीट

''अगर आपके घर में एक बेटी हो तो क्या आप किसी और की बेटी पर भद्दी टिप्पणी करके तालियां बटोरेंगे? ऐसा करने पर आप (कुमार विश्वास) किस हद तक गिरे हुए हैं, इसका तो अंदाजा लग ही गया है।''

-सुप्रिया श्रीनेत

आंबेडकर पर घड़ियाली आंसु

सामयिक

शाहीन सबा

14 अक्तूबर 1956 को नागपुर में हिंदू धर्म को त्याग कर डॉ. आंबेडकर ने बौद्ध धर्म को अपनाते समय- 'धम्मचक्र प्रवर्तन के दिन' जो 22 प्रतिज्ञाऐं की थीं, उनमें से एक प्रतिज्ञा थी कि मैं सच बोलूंगा और अहिंसा के मार्ग पर चलूंगा। आज हास्यास्पद यह है कि अपने को आंबेडकर के विचारों का अनुयायी और उनका संरक्षक बताने की होड़ करने वाले राजनीतिक दल संसद परिसर में ही हिंसा पर आमादा हैं। इसे भारतीय संसद के इतिहास का काला दिन ही कहा जाएगा कि उसके प्रवेश द्वार पर भीतर न घुसने देने को लेकर कथित तौर पर धक्का-मुक्की हुई बतायी जा रही है।

25 नवम्बर 1949 को संविधान सभा में दिया गया आंबेडकर का ऐतिहासिक भाषण सामाजिक असमानता, जातिगत उत्पीड़न तथा तानाशाही के संभावित खतरों को लेकर ही था और उन्होंने भारतीयों से अनुरोध किया था कि वे ऐसी प्रवृत्तियों को छोड़ दें जिनसे लोकतान्त्रिक मूल्यों का क्षरण होता हो। उन्होंने उसी समय यह आशंका व्यक्त की थी कि यह संविधान उतना ही अच्छा रहेगा, जितने अच्छे लोगों के हाथों में यह रहेगा। उन्होंने स्पष्ट कहा था कि यदि इस संविधान के लागू होने के बाद भी चीजें गलत होती हैं, तो इसका यह मतलब नहीं होगा कि यह संविधान ही गलत है बल्कि यह मतलब होगा कि यह गलत हाथों में है।

देश में दलित और आदिवासी समुदाय की संयुक्त आबादी 25 प्रतिशत से अधिक है। यह एक बड़ा वोट बैंक है। यद्यपि यह आबादी देश भर में बिखरी हुई है, लेकिन बहुत सारे चुनाव क्षेत्रों में यह निर्णायक स्थिति में भी है। जाहिर है सभी राजनीतिक दलों की निगाह आंबेडकर के बहाने दलित वोटों पर जाल डालने की है।

आंबेडकर का हिन्दुत्व का अनुभव बहुत अपमानजनक था। उनके दुःख का अनुमान लगाया जा सकता है कि किसी भावावेश में नहीं बल्कि अपने पूर्ण बौद्धिक परिपक्वता के समय में 13 अक्तूबर 1935 को नासिक के येवला में उन्होंने घोषणा की थी कि मैं हिंदू पैदा तो हुआ हूं, लेकिन हिंदू होकर मरूंगा नहीं। आज धर्म, जाति और हिं दू-मुस्लिम की राजनीति करने वाले लोग जब आंबेडकर की प्रशंसा के गीत गाते हैं तो एक जुगुप्सा सी होती है। आंबेडकर ने सामाजिक और आर्थिक समानता को आधार बनाकर संविधान में व्यवस्थाएं दीं, लेकिन बाद के दिनों में उन्होंने देखा कि यह आधार महज संविधान का खोखला पन्ना बनकर ही रह गया है। वे जन्म और विरासत से होने वाली असमानता को खत्म करने पर सर्वाधिक जोर देते थे लेकिन बाद के दिनों में उन्हें लगा कि यह असमानता खत्म करने की दिशा में सरकारी प्रयास नगण्य हैं।

आज केंद्र में सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी जब आंबेडकर की प्रशंसा करती है या भाजपा की मातृसंस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जब कहता है कि उसके और आंबेडकर के विचारों में समानता है तो यह बहस का मुद्दा बन जाता है। असल में आंबेडकर सामाजिक समता पर जोर देते हैं तो संघ सामाजिक समरसता पर। दोनों में काफी फर्क है। समता का मतलब बराबरी है तो समरसता का मतलब मिलजुल कर रहने से है। बराबरी के बिना अगर मिलजुल कर रहना है तो वह किसी मजबूरी या दबाव से ही संभव हो सकता है।

आंबेडकर ने संघ को उसके स्थापना काल से ही देखा था। वर्ष 1923 में वे अपनी शिक्षा पूरी कर विदेश से लौटे और सन 1925 में संघ की स्थापना हुई और नागपुर इसका मुख्यालय बना। जैसा कि सभी जानते हैं संघ मनुस्मृति को अत्यधिक महत्त्व देता है। संघ के विरोधी अक्सर आरोप लगाते हैं कि मनुस्मृति ही संघ का संविधान है और संघ उसको देश का संविधान बनाना चाहता है। आंबेडकर मनुस्मृति को सामाजिक भेदभाव और छुआछूत बढ़ाने का प्रतीक मानते थे और यह ध्यान देने वाली बात है कि उसी मनुस्मृति को आंबेडकर ने संघ की स्थापना के महज दो साल बाद वर्ष 1927 में नागपुर में ही सार्वजनिक रुप से जला कर अपना विरोध प्रकट किया था।

आंबेडकर जाति को लेकर होने वाली छुआछूत से सर्वाधिक आहत थे और अपने स्कूल के दिनों से लेकर व्यस्क होने तक इस अपमान को बार-बार झेला था। आज जिन्हें हम दलित कहते हैं पहले उनको घृणापूर्वक अछूत कहा जाता था और इस बात से आंबेडकर बहुत आहत होते थे। बौद्ध धर्म अपनाने से पहले वे सिख धर्म अपनाना चाहते थे लेकिन उन्होंने देखा कि वहां भी जातिगत समस्यायें विद्यमान हैं। यहां यह ध्यान रखना होगा कि आंबेडकर धर्म नहीं बदलना चाहते थे बल्कि वे जाति को खत्म करना चाहते थे जो कि हिंदू धर्म में रहते हुए उन्हें संभव नहीं लग रही थी।

आज कांग्रेस और भाजपा आंबेडकर पर कॉपीराइट लेने के फेर में हैं। भाजपा कहती है कि कांग्रेस ने अपने इतने लंबे शासनकाल में आंबेडकर को उचित महत्त्व ही नहीं दिया, उनका विरोध किया और उन्हें चुनाव हरा दिया था। और कांग्रेस कहती है कि आंबेडकर तो हिंदुत्व और संघ दोनों के घोर विरोधी थे। भाजपा जिस चुनाव की बात करती है, वह देश का पहला आम चुनाव था और उस वक्त आंबेडकर नेहरू मंत्रिमंडल में मं त्री भी थे। आं बेडकर की एक अपनी राजनीतिक पार्टी शेड्यूल कॉस्ट फेडरेशन थी, जिसके टिकट पर वे चुनाव लड़े थे और चाहते थे कि कांग्रेस उनके खिलाफ अपना प्रत्याशी न उतारे। पहले तो इस पर सहमति थी लेकिन आंबेडकर ने जब चुनावी रणनीति के तहत समाजवादियों से समझौता कर लिया तो कांग्रेस के महाराष्ट्र अध्यक्ष एस.के. पाटिल ने इससे चिढ़कर अपना उम्मीदवार उतार दिया, जिसने आंबेडकर को हरा दिया। हालांकि इसके दो साल बाद महाराष्ट्र के भंडारा में उपचुनाव हुआ। आंबेडकर उसमें भी मैदान में उतरे, लेकिन कांग्रेस प्रत्याशी से वह चुनाव भी हार गए। भाजपा इसी को आंबेडकर के प्रति कांग्रेस की भितरघात बताती है।

राजनीतिक दलों की वोट की भूख दिनोंदिन सनक की सीमा पार करती जा रही है। ऐसा लगता है कि आज देश में जो भी योजना बनती है या जो भी राजनीतिक-प्रशासनिक कार्य व्यापार होता है उसकी चिंता में वोट बैंक ही रहता है। सन 2011 के आंकड़ों के अनुसार देश में दलित और आदिवासी समुदाय की संयुक्त आबादी 25 प्रतिशत से अधिक है। यह एक बड़ा वोट बैंक है। यद्यपि यह आबादी देश भर में बिखरी हुई है, लेकिन बहुत सारे चुनाव क्षेत्रों में यह निर्णायक स्थिति में भी है। जाहिर है सभी राजनीतिक दलों की निगाह आंबेडकर के बहाने दलित वोटों पर जाल डालने की है।

वर्ष 2017 में उत्तर प्रदेश में भाजपा के हाथों सत्ता गंवाने के बाद अखिलेश यादव ने कहा था कि मुझे यह समझ में आ गया है कि यहां लोग समझाने पर नहीं, फुसलाने पर वोट देते हैं। आज भारतीय मतदाता और चुनावी व्यवस्था का यही कड़वा सच बन गया है। सारे राजनीतिक दलों में मानों इसी बात की होड़ सी लगी है कि मतदाताओं को कैसे फुसलाया जाए और जाहिर है कि जो सत्ता में होते हैं उनके पास मतदाताओं को फुसलाने के संसाधन और अवसर ज्यादा होते हैं।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय का शिक्षा के स्तर में सुधार की दिशा में बड़ा कदम- अब 5 वीं से 8 वीं की वार्षिक परीक्षा में फेल विद्यार्थी फेल ही रहेंगे

बच्चों की गुणवत्ता शिक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में बढ़ी पहल-शिक्षक व अभिभावक पढ़ाई में मार्गदर्शन करेंगे

विद्यार्थियों को वार्षिक परीक्षा में फेल होने पर 2 माह के भीतर दूसरा मौका मिलेगा, फिर भी फेल हुआ तो रोक दिया जाएगा पर निष्काशन नहीं- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर न केवल मानवीय जीव के लिए शिक्षा ग्रहण करना उसकी सफलता की कुंजी है बल्कि उसने संपूर्ण राष्ट्र के लिए भी विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है ऐसा माना जाएगा जैसे भारत को विजन 2047 में हर व्यक्ति के शिक्षित होने से इस विजन को एक महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा इसलिए ही केंद्र व राज्य सरकारें शिक्षा पर दो जोर दे रही है गुणवत्ता शिक्षा के लिए अनेक रणनीतियां बनाई जा रही है, इसी दिशा में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए शनिवार दिनांक 21 दिसंबर 2024 को भारत के गजट में 16 दिसंबर 2024 की आधिसूचना को प्रकाशित किया है, जिसमें अब नो डिटेंशन पॉलिसी को समाप्त कर दिया गया है, जिसमें अब 5 वीं व 8 वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षा में फेल होने वाले विद्याथीर्यों को अब पास नहीं किया जाएगा। हालांकि दो माह के अंदर दूसरी परीक्षा ली जाएगी,परंतु अगर उसमें भी वह फेल हो जाता है तो उसे उसी कक्ष में रोक दिया जाएगा परंतु निष्कासित नहीं किया जा सकता। हालांकि 2019 में शिक्षा का अधिकार अधिनियम में संशोधन के बाद 16 राज्यों ने पहले से ही फेल नहीं करने की नीति को समाप्त कर दिया था, क्योंकि शिक्षा यह राज्य का विषय है परंतु अब केंद्र सरकार ने भी अधिसूचना जारी कर फेल को फेल ही रहने देने की अधिसूचना जारी कर दी है।चूँकि बच्चों की गुणवत्ता शिक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ी पहल है शिक्षक वह अभिभावक पढ़ाई में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन करेंगे, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय का शिक्षा के स्तर में सुधारो की दिशा में बड़ा कदम, अब 5 वी से 8 वीं की वार्षिक परीक्षा में फेल विद्यार्थी फेल ही रहेंगे। साथियों बात अगर हम शनिवार दिनांक 21 दिसंबर 2024 को जारी केंद्रीय गजट में अधिसूचना की करें तो,अब पांचवीं और आठवीं क्लास की परीक्षा में फेल होनेवाले विद्यार्थियों को अगली कक्षा में प्रमोट नहीं किया जाएगा। सरकार ने निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम-2009 में संशोधन किया है।सरकार ने नो डिटेंशन पॉलिसी खत्म कर दी है।केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने आज, 21 दिसंबर 2024 को बड़ा फैसला करते हुए नो डिटेंशन पॉलिसी को खत्म कर दिया। अब कक्षा 5 वीं और 8 वीं की वार्षिक परीक्षा में फेल होने वाले छात्रों को पास नहीं किया जाएगा। पहले फेल होने वाले छात्रों को पास कर अगली कक्षा में प्रमोट कर दिया जाता था, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। फेल होने वाले छात्रों को दो महीने के अंदर दोबारा परीक्षा देने का मौका मिलेगा। अगर कोई छात्र दोबारा फेल होता है तो उसे प्रमोट नहीं किया जाएगा। जारी अधिसूचना में कहा गया है कि बच्चे को रोके रखने के दौरान शिक्षक बच्चे के साथ-साथ यदि आवश्यक हो तो अभिभावक का भी मार्गदर्शन करेंगे। वहीं केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि प्रारंभिक शिक्षा पूरी होने तक किसी भी बच्चे को किसी भी स्कूल से नहीं निकाला जाएगा।शिक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार यह नियम केंद्रीय विद्यालयों, नवोदय विद्यालयों और सैनिक स्कूलों सहित केंद्र सरकार द्वारा संचालित 3 हजार से अधिक स्कूलों पर लागू होगा। वहीं मंत्रालय के मुताबिक स्कूली शिक्षा राज्य का विषय है, इसलिए राज्य इस संबंध में अपना निर्णय ले सकते हैं.पहले ही 16 राज्यों और दिल्ली सहित 2 केंद्र शासित प्रदेशों ने इन दो कक्षाओं के लिए

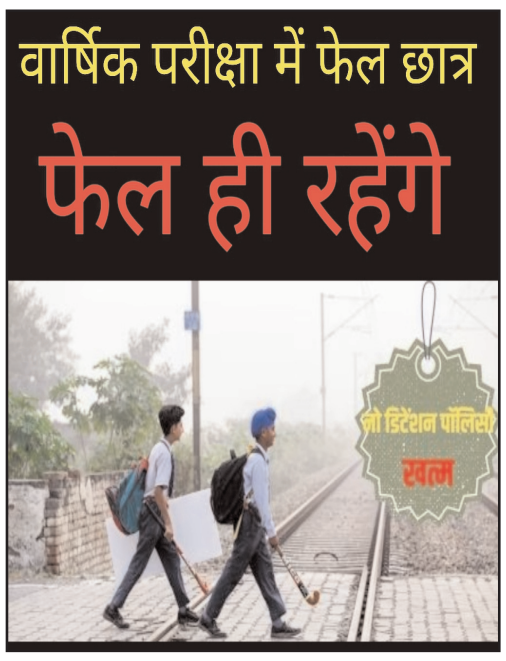

नो-डिटेंशन पॉलिसी को पहले ही खत्म कर दिया है। साथियों बात अगर हम अधिसूचना को समझने की करें तो, एक गजट अधिसूचना के अनुसार, नियमित परीक्षा के आयोजन के बाद, यदि कोई बच्चा समय-समय परअधिसूचित पदोन्नति मानदंडों को पूरा करने में विफल रहता है, तो उसे दो महीने की अवधि के भीतर अतिरिक्त निर्देश और पुनः परीक्षा का अवसर दिया जाएगा अधिसूचना में कहा गया है, यदि पुनःपरीक्षा में बैठने वाला बच्चा फिर से पदोन्नति के मानदंडों को पूरा करने में विफल रहता है, तो उसे पांचवीं कक्षा या आठवीं कक्षा में रोक दिया जाएगा, जैसा भी मामला हो। बच्चे को रोके रखने के दौरान, कक्षा शिक्षक बच्चे के साथ-साथ यदि आवश्यक हो तो बच्चे के माता-पिता का मार्गदर्शन करेगा और मूल्यांकन के विभिन्न चरणों में सीखने के अंतराल की पहचान करने के बाद विशेष जानकारी प्रदान करेगा हालांकि, सरकार ने स्पष्ट किया है कि प्रारंभिक शिक्षा पूरी होने तक किसी भी बच्चे को किसी भी स्कूल से नहीं निकाला जाएगा।एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हरियाणा और पुडुचेरी ने अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया है, जबकि शेष राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने नीति को जारी रखने का फैसला किया है।राजपत्र अधिसूचना के अनुसार नियमित परीक्षा के आयोजन के बाद यदि कोई बच्चा समय-समय पर अधिसूचित पदोन्नति मानदंडों को पूरा करने में विफल रहता है तो उसे परिणाम की घोषणा की तारीख से दो महीने की अवधि के भीतर अतिरिक्त निर्देश और पुनः परीक्षा का अवसर दिया जाएगा। साथ ही कहा गया है कि यदि पुनः परीक्षा में बैठने वाला छात्र पदोन्नति (अगली कक्षा में जाने की अर्हता) के मानदंडों को पूरा करने में असफल रहता है तो उसे पांचवीं या आठवीं कक्षा में ही रोक दिया जाएगा। हालांकि, सरकार ने स्पष्ट किया है कि किसी भी बच्चे को प्रारंभिक शिक्षा पूरी होने तक स्कूल से निष्कासित नहीं किया जाएगा। सरकार के नए नोटिफिकेशन के मुताबिक फेल होने वाले स्टूडेंट्स को 2 महीने के अंदर दोबारा परीक्षा देने का मौका दिया जाएगा। अगर वे दोबारा फेल होते हैं, तो उन्हें प्रमोट नहीं किया जाएगा, बल्कि जिस क्लास में वो पढ़ रहे थे उसी में दोबारा पढ़ेंगे। सरकार ने इसमें एक प्रावधान भी जोड़ा है कि 8 वीं तक के ऐसे बच्चों को स्कूल से निकाला नहीं जाएगा। बता दें 2016 में सेंट्रल एडवाइजरी बोर्ड ऑफ एजुकेशन ने ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट मिनिस्ट्री को नो डिटेंशन पॉलिसी हटाने का सुझाव दिया था। उन्होंने कहा कि इस पॉलिसी के वजह से स्टूडेंट्स के सीखने का स्तर गिर रहा है।नो डिटेंशन पॉलिसी के अंतर्गत स्टूडेंट्स का मूल्यांकन करने के लिए टीचर्स के पास पर्याप्त साधन नहीं थे। ज्यादातर मामलों में स्टूडेंट्स का मूल्यांकन ही नहीं किया जाता था। देशभर में 10 पेर्सेंट से भी कम स्कूलों में पॉलिसी के हिसाब से टीचर्स और इंफ्रास्ट्रक्चर पाया गया। पॉलिसी में मुख्य रूप से एलिमेन्ट्री एजुकेशन में स्टूडेंट्स का एरोल्मेंट बढ़ाने पर फोकस किया गया जबकि बेसिक शिक्षा का स्तर गिरता रहा। इससे स्टूडेंट्स पढ़ाई को लेकर लापरवाह हो गए क्योंकि अब उन्हें फेल होने का डर नहीं था। 2016 की एनुअल एजुकेशन रिपोर्ट के अनुसार क्लास 5 वीं के 48 पेर्सेंट से कम स्टूडेंट्स ही दूसरी क्लास का सिलेबस पढ़ पाते हैं। ग्रामीण स्कूलों में आठवीं क्लास के सिर्फ 43 पेर्सेंट स्टूडेंट्स ही सिम्पल डिवीजन कर सकते हैं। 5 वीं क्लास में चार में से सिर्फ एक स्टूडेंट ही अंग्रेजी का वाक्य पढ़ सकता है। कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने प्रारंभिक शिक्षा पर आर्टिकल 16 के इस असर को लेकर चिंता जताई थी। शिक्षा पर टीएसआर सुब्रमण्यम कमेटी और सीएबीसी के तहत बनाई गई वासुदेव देवनानी कमेटी ने भी नो डिटेंशन पॉलिसी को रद्द करने की सिफारिश की थी।नो डिटेंशन पॉलिसी राइट टू एजुकेशन 2009 का हिस्सा थी। ये सरकार की पहल थी जिससे भारत में शिक्षा की स्थिति में सुधार हो सके। इसका उद्देश्य था कि बच्चों को शिक्षा के लिए बेहतर माहौल दिया जा सके ताकि वो स्कूल आते रहें। फेल होने से स्टूडेंट्स के आत्मसम्मान को ठेस पहुंच सकती है। साथ ही फेल होने से बच्चे शर्म भी महसूस करते हैं जिससे पढ़ाई में वो पिछड़ सकते हैं। इसलिए नो डिटेंशन पॉलिसी लाई गई जिसमें 8वीं तक के बच्चों को फेल नहीं किया जाता।2018 में लोकसभा में बिल पास हुआ था जुलाई 2018 में लोकसभा में राइट टु एजुकेशन को संशोधित करने के लिए बिल पेश किया गया था। इसमें स्कूलों में लागू नो डिटेंशन पॉलिसी को खत्म करने की बात थी। इसके अनुसार 5वीं और 8वीं क्लास के स्टूडेंट्स के लिए रेगुलर एग्जाम्स की मांग की गई थी। इसी के साथ फेल होने वाले स्टूडेंट्स के लिए दो महीने के अंदर री-एग्जाम कराने की भी बात थी।2019 में ये बिल राज्य सभा में पास हुआ। इसके बाद राज्य सरकारों को ये हक था कि वो नो डिटेंशन पॉलिसी हटा सकते हैं या लागू रख सकते हैं। यानी राज्य सरकार ये फैसला ले सकती थीं कि 5 वीं और 8 वीं में फेल होने पर छात्रों को प्रमोट किया जाए या क्लास रिपीट करवाई जाए। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन करें इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय का शिक्षा के स्तर में सुधार की दिशा में बड़ा कदम-अब 5 वीं से 8 वीं की वार्षिक परीक्षा में फेल विद्यार्थी फेल ही रहेंगे ल।बच्चों की गुणवत्ता शिक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में बढ़ी पहल-शिक्षक व अभिभावक पढ़ाई में मार्गदर्शन करेंगे।विद्यार्थियों को वार्षिक परीक्षा में फेल होने पर 2 माह के भीतर दूसरा मौका मिलेगा, फिर भी फेल हुआ तो रोक दिया जाएगा पर निष्काशन नहीं होगा।

-संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

तीखी नजर

मदारी का झोला और जमूरे का सवाल

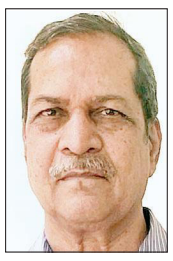

प्रदीप उपाध्याय

वे भी एक मदारी हैं अन्य मदारियों की तरह। वे भी नित नए करतब दिखाकर पब्लिक को आकर्षित करते हैं। अन्यों की तरह ही उन्होंने भी साथ में नचाने को बहुत से बंदर-बंदरिया रख छोड़े हैं और आजकल उन्हें एक नया शौक चर्राया है अपने कांधे पर हमेशा एक झोला भी टांगे रखने का। अब झोले में क्या है यह वे जमूरे से नहीं पूछते हैं और न ही पब्लिक से प्रश्न करते हैं। झोले पर कुछ लिखा होता है यह जमूरे और पब्लिक के देखने के लिए होता है। आप जरूर जमूरे से पूछना चाहेंगे कि जमूरे बता मदारी के कांधे पर टंगे झोले में क्या है तब जमूरा परेशान हो सकता है किंतु वह किसी की बात का जवाब क्योंकर देगा। उसका मालिक तो एकमात्र मदारी ही है, जिसके इशारों पर उसको जवाब देना है और जवाब भी वही जो मदारी चाहता है। जमूरा भी तो बेचारा पार्टी प्रवक्ता या न्यूज एंकर की भूमिका में ही रहता है, जिसके लिए अपने मालिक की खुशी पब्लिक की खुशी से ज्यादा रहती है। सत्य से ज्यादा वह सत्य ही बयान करना होता है जो उनकी रसोई में पकता है।

इसीलिए जो झोले में छुपा होता है वह पब्लिकली जाहिर करना यानी मदारी नाराज, दाना-पानी बंद होने की आशंका और यदि झोले में जो है, उसकी सच्चाई पब्लिक के सामने रखने का दुस्साहस किया तब तो और भी बड़ा खतरा,जमूरागिरी से छुट्टी। मदारी ही है जो दिखा सकता है कि झोले में क्या है। कुछ दिखाकर वह भ्रम भी पैदा कर सकता है तभी तो दर्शक ताली बजा सकते हैं। जमूरा खामोश ही रहता है, क्योंकि उसे खुद ही पता नहीं है कि आखिर कांधे पर झोला टांगने का राज क्या है! मकसद क्या है! सिर्फ पब्लिक का मनोरंजन करना तो हो नहीं सकता। जमूरे को मालूम है कि मदारी जादूगर भी है। अपने झोले में जादू के कई आइटम लेकर चलता है जिस तरह जादूगर के पास अपना एक जादू का पिटारा होता है।

झोलाछाप डॉक्टर के पास झोला और डिग्री भले ही न हो, मर्द को औरत और औरत को मर्द बनाने के नुस्खे को छोड़कर उन सब बीमारियों का इलाज वह कर सकता है इस मान्यता के साथ कि स्वस्थ होना न होना भगवान के हाथ में है ठीक उसी तरह मदारी के पास अपने झोले में वह सब है, जिसकी आवश्यकता पब्लिक के मनोरंजन के लिए और पब्लिक को अपनी ओर खिंचने के लिए वक्त जरूरत उसे महसूस होती है।

किसी जमाने में जब तक कांधे पर झोला न हो तब तक पब्लिकली कोई साहित्यकार कैसे हो सकता है। भाई बनने के लिए भाई होना उतना जरूरी नहीं है जितना भाई के रूप में अपियरेंस। आजकल भाई लोग नेता दिखाई देते हैं और नेता लोग भाई।आजकल एक के साथ एक फ्री या फिर यूं कहें कि ऑल इन वन का जमाना।ऐसे में मदारी भी ऑल इन वन एक झोला हमेशा साथ रखता है। जरूरत के हिसाब से उल्टा-पुल्टा करने में आसानी जो रहती है। बस सवाल जमूरे के जेहन में बने रहते हैं कि आखिर झोला क्यों जरूरी है!

23 फरवरी को होगी भारत-पाकिस्तान की टक्कर, आईसीसी ने जारी किया शेड्यूल

नई दिल्ली। आईसीसी ने मंगलवार को चैंपियसं ट्रॉफी 2025 का शेड्यूल जारी किया। टूनार्मेंट 19 फरवरी को कराची में शुरू होगा और फाइनल 9 मार्च को होगा। आठ टीमों के टूनार्मेंट में 15 मैच होंगे और यह पूरे पाकिस्तान और दुबई में खेले जाएंगे। पाकिस्तान में, रावलपिंडी, लाहौर और कराची टूनार्मेंट की मेजबानी करेंगे। प्रत्येक पाकिस्तान स्थल पर तीन ग्रुप गेम होंगे, जिसमें लाहौर दूसरे सेमीफाइनल की मेजबानी करेगा। भारत और पाकिस्?तान का मैच 23 फरवरी को खेला जाएगा। अगर भारतीय टीम फाइनल में नहीं पहुंचती है तो निर्णायक मैच 9 मार्च को लाहौर में खेला जाएगा अगर भारत फाइनल में पहुंचता है तो

यह मैच दुबई में होगा। सेमीफाइनल और फाइनल दोनों के लिए रिजर्व डे है। भारत से जुड़े तीन ग्रुप मैच और पहला सेमीफाइनल दुबई में खेला जाएगा। पाकिस्तान 19 फरवरी को कराची में ग्रुप ए टूनार्मेंट के उद्घाटन मैच में न्यूजीलैंड से भिड़ेगा। दुबई चरण अगले दिन भारत के बांग्लादेश से मुकाबले के साथ शुरू होगा। ग्रुप बी 21

चैंपियसं ट्रॉफी 2025
ग्रुप ए - पाकिस्तान, भारत, न्यूजीलैंड, बांग्लादेश
ग्रुप बी - दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान, इंग्लैंड

फरवरी से शुरू होगा, जिसमें अफगानिस्तान का मुकाबला कराची में प्रोटियाज से होगा। इसके बाद प्रतिद्वंद्वी इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया 22 फरवरी को लाहौर में टकराएंगी। इसके अगले दिन बहुप्रतीक्षित पाकिस्तान-भारत टीम आमने-सामने होंगी। वनडे क्रिकेट विश्व कप 2023 की अंक तालिका में शीर्ष आठ स्थानों पर रही टीमें इस बार चैंपियंस ट्रॉफी में टकराएंगी।

चैंपियंस ट्रॉफी शेड्यूल

19 फरवरी, पाकिस्तान बनाम न्यूजीलैंड, कराची, पाकिस्तान
20 फरवरी, बांग्लादेश बनाम भारत, दुबई
21 फरवरी, अफगानिस्तान बनाम दक्षिण अफ्रीका, कराची, पाकिस्तान
22 फरवरी, ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड, लाहौर, पाकिस्तान
23 फरवरी, पाकिस्तान बनाम भारत, दुबई
24 फरवरी, बांग्लादेश बनाम न्यूजीलैंड, रावलपिंडी, पाकिस्तान
25 फरवरी, ऑस्ट्रेलिया बनाम दक्षिण अफ्रीका, रावलपिंडी, पाकिस्तान
26 फरवरी, अफगानिस्तान बनाम इंग्लैंड, लाहौर, पाकिस्तान
27 फरवरी, पाकिस्तान बनाम बांग्लादेश, रावलपिंडी, पाकिस्तान
28 फरवरी, अफगानिस्तान बनाम ऑस्ट्रेलिया, लाहौर, पाकिस्तान
1 मार्च, दक्षिण अफ्रीका बनाम इंग्लैंड, कराची, पाकिस्तान
2 मार्च, न्यूजीलैंड बनाम भारत, दुबई
4 मार्च, सेमीफाइनल 1, दुबई
5 मार्च, सेमीफाइनल 2, लाहौर, पाकिस्तान
9 मार्च, फाइनल, लाहौर/दुबई
10 मार्च, रिजर्व डे

पूर्व क्रिकेटर विनोद कांबली की हालत गंभीर

ठाणे के हॉस्पिटल में भर्ती कुछ सालों से हार्ट से जुड़ी समस्याओं से जूझ रहे

● मुंबई,

पूर्व क्रिकेटर विनोद कांबली की तबीयत बिगड़ गई है। उन्हें देर रात ठाणे के अस्पताल में भर्ती किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक 52 साल के कांबली की हालत गंभीर है।

कांबली कुछ सालों से हार्ट संबंधी समस्याओं के अलावा डिप्रेशन से जूझ रहे हैं। वे दवाएं ले रहे हैं। उनको साल 2013 में दिल का दौरा भी पड़ चुका है। उन्होंने एक यूट्यूब चैनल को दिए गए इंटरव्यू में बताया था कि सचिन तेंदुलकर ने उनकी हार्ट सर्जरी कराई थी। हाल ही में कोच रमाकांत आचरेकर कार्यक्रम में विनोद कांबली नजर आए थे। इस दौरान उनका सचिन तेंदुलकर के साथ वीडियो भी वायरल हुआ था। कांबली को आकृति हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। कांबली 4 दिसंबर को कोच आचरेकर समारोह में नजर आए थे। इसमें वे सचिन का हाथ कस कर थाम लेते हैं। फिर एंकर आता है और कांबली को हाथ छोड़ने को लेकर समझाता है। आखिर में सचिन उनसे दूर चले जाते हैं। यहां कांबली के चेहरे पर निराशा नजर आती है। कांबली का 4 महीने पहले एक वीडियो सामने आया था, जिसमें वे चल नहीं पा रहे थे। कांबली ने 1991 में वनडे डेब्यू और 1993 में टेस्ट में डेब्यू किया था। वे 14 पारियों में सबसे तेज 1000 टेस्ट रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। भारतीय टीम के लिए 17 टेस्ट मैचों में कुल 1084 रन बनाए। इनमें 4 शतक और 3 अर्धशतक शामिल हैं। 104 वनडे मैचों में कुल 2477 रन बनाए, जिनमें 2 शतक और 14 अर्धशतक शामिल हैं। 2000 के दशक में उनका प्रदर्शन बहुत ही खराब रहा और इसी वजह से वह टीम इंडिया से बाहर हो गए। उन्होंने टीम इंडिया के लिए अपना आखिरी वनडे मैच साल 2000 में श्रीलंका के खिलाफ खेला। वहीं 13 मार्च 1996 को कोलकाता के ईडन गार्डन में भारत और श्रीलंका के बीच वर्ल्ड कप का सेमीफाइनल था। श्रीलंका ने 251 रन बनाए थे। जवाब में भारतीय टीम एक समय 98 रन पर एक विकेट गंवाकर अच्छी स्थिति में थी, लेकिन सचिन के आउट होने के बाद टीम का बल्लेबाजी क्रम ढह गया। टीम इंडिया ने 120 रनों पर 8 विकेट गंवा दिए थे। 35वां ओवर होना था और भारतीय टीम को 156 गेंदों पर 132 चाहिए था। विनोद कांबली 10 और अनिल कुंबले बगैर खाता खोले क्रीज पर मौजूद थे। इसके बाद दर्शकों ने मैदान पर बोतलें फेंकनी शुरू कर दीं। स्टेडियम के एक हिस्से में आग लगा दी थी।

सार संक्षेप

तनुष कोटियान को भारतीय टेस्ट टीम में मिली जगह

मेलबर्न : ऑस्ट्रेलिया में खेली जा रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के शेष मैचों के लिए भारतीय टेस्ट टीम में मुंबई के ऑफ स्पिन ऑलराउंडर तनुष कोटियान को शामिल किया गया है। वह गाबा टेस्ट के बाद संन्यास लेने वाले आर अश्विन की जगह लेंगे। कोटियान अहमदाबाद से मेलबर्न के लिए रवाना होंगे। कोटियान इस समय अहमदाबाद में विजय हजारे ट्रॉफी के लिए मुंबई टीम के साथ है। उन्होंने 33 प्रथम श्रेणी मैचों में 25.70 की औसत से 101 विकेट लिए हैं, जिसमें पांच पंजा और तीन बार मैच में 10-विकेट हॉल शामिल है। इसके अलावा उन्होंने 47 पारियों में 41.21 की औसत से 1525 रन भी बनाए हैं, जिसमें दो शतक और 13 अर्धशतक शामिल है। वह हाल ही में इंडिया ए टीम का लगातार हिस्सा रहे हैं। पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर इंडिया ए के लिए उन्होंने एक मैच में 44 रन बनाने के साथ-साथ एक विकेट भी लिया था। कोटियान ने मुंबई की 2023-24 रणजी ट्रॉफी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और 41.83 की औसत से 502 रन बनाने के साथ-साथ 16.96 की औसत से 29 विकेट के साथ प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे थे। वह उस सत्र 500 रन और 25 विकेट का डबल बनाने वाले एकमात्र खिलाड़ी थे। ऐसा माना जा रहा है कि वॉशिंगटन सुंदर और रवींद्र जडेजा के रहते हुए उनका बॉक्सिंग डे टेस्ट में खेलने की संभावना बहुत कम है।

दिल्ली ने मप्र को 79 रनों से शिकस्त दी

हैदराबाद : अनुज रावत (78), सार्थक रंजन (41) की शानदार बल्लेबाजी के बाद नवदीप सैनी (चार विकेट) और ऋतिक शौकीन (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर दिल्ली ने सोमवार को विजय हजारे ट्रॉफी के ग्रुप ई मुकाबले में मध्यप्रदेश को 79 रनों से शिकस्त दी। नवदीप सैनी को बेहतरीन गेंदबाजी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया। 212 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उत्तरी मध्यप्रदेश के लिए हर्ष गवली और शुभ्रांशु सेनापति की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 68 रन जोड़े। 13वें ओवर में ऋतिक शौकीन ने हर्ष गवली को (42) को आउट कर दिल्ली को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद 23वें ओवर में प्रिंस यादव ने शुभ्रांशु सेनापति (55) को आउटकर दिया। इसके बाद दिल्ली के गेंदबाजी आक्रमण के आगे मध्यप्रदेश का कोई भी बल्लेबाज पिच पर नहीं टिक सका। हरप्रीत सिंह (14) को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक नहीं पहुंच सका। दिल्ली के गेंदबाजों ने मध्यप्रदेश की पूरी टीम 37.1 ओवर में 132 रन पर समेट कर 79 रनों से मुकाबला जीत लिया। दिल्ली की ओर से नवदीप सैनी ने चार विकेट लिए। ऋतिक शौकीन ने तीन बल्लेबाजों को आउट किया। प्रिंस यादव को दो विकेट मिले। इससे पहले मध्यप्रदेश ने यहां टॉस जीतकर दिल्ली को बल्लेबाजी का न्यौता दिया। बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली ने अनुज रावत (78), सार्थक रंजन (41) ,ऋतिक शौकीन (28), मयंक गुसैन (22) और हर्ष त्यागी (11) के योगदान से 48.4 ओवर में 211 का स्कोर खड़ा किया। मध्यप्रदेश की ओर से कुमार कार्तिकेय, कुलवंत खेजरोलिया और सागर सोलंकी ने दो-दो विकेट लिए। आवेश खान ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

रोमांचक मुकाबले में गुजरात ने उत्तराखंड को पांच रनों से हराया

जयपुर : आर्य देसाई (106) की शतकीय और उमंग कुमार (87) की अर्धशतकीय पारियों के प्रियजीत सिंह जडेजा (चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत गुजरात ने सोमवार को विजय हजारे ट्रॉफी के ग्रुप ए मुकाबले में उत्तराखंड को पांच विकेट से हरा दिया। आर्य देसाई को उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया। गुजरात के 280 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी उत्तराखंड की शुरुआत खराब रही और उसने 21 रन अपने सलामी बल्लेबाज अवनीश सुधा (शून्य) का विकेट गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये रविकुमार समर्थ ने युवराज चौधरी के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 68 रनों की साझेदारी हुई। 16वें ओवर में चितन गजा ने युवराज चौधरी (50) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा।

ऑस्ट्रेलिया नहीं जाएंगे शमी

बीसीसीआई मेडिकल टीम ने अनफिट घोषित किया, बाएं घुटने में सूजन

● मुंबई

भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया नहीं जाएंगे। बीसीसीआई मेडिकल टीम ने उन्हें अभी फिट घोषित नहीं किया है। सोमवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से जारी बयान में कहा गया कि उनकी दाहिनी एड़ी की सर्जरी के बाद वह उस समस्या से तो उबर चुके हैं, लेकिन उनके बाएं घुटने में सूजन है। जिसे ठीक होने में समय लगेगा।

इससे पहले भारतीय सिलेक्टर्स ने 4 दिसंबर को मोहम्मद शमी की फिटनेस रिपोर्ट नेशनल क्रिकेट अकादमी के फिजियो नितिन पटेल से मांगी थी। उनकी फिटनेस पर नजर रखने के लिए सैयद मुश्ताक के पूरे टूर्नामेंट में पटेल बंगाल टीम के साथ थे। बीसीसीआई ने एक्स पर पोस्ट करके शमी के फिटनेस की जानकारी दी। बीसीसीआई ने कहा कि शमी ने एड़ी की सर्जरी के बाद मैच फिटनेस हासिल करने की पूरी कोशिश की। उन्होंने नवंबर में मध्यप्रदेश के खिलाफ रणजी मैच में बंगाल की ओर से खेला। इस मैच में उन्होंने 43 ओवर की गेंदबाजी की। शमी इसके बाद सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के सभी 9 मैचों में खेले और 11 विकेट लिए। वहीं टेस्ट मैचों की तैयारी के लिए एक्स्ट्रा प्रैक्टिस सेशन में भी भाग लिया। लगातार मैच खेलने से शमी के बाएं घुटने में सूजन आ गई है। बीसीसीआई मेडिकल टीम ने माना है कि उन्हें

इससे उभरने में समय लगेगा और वह बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में बचे दो टेस्ट के लिए फिट नहीं है। इस दौरान शमी बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में मेडिकल स्टाफ की निगरानी में रहेंगे और रिकवर करेंगे। अगर उनका घुटना ठीक होता है तो वह विजय हजारे ट्रॉफी में खेलेंगे। शमी को विजय हजारे ट्रॉफी के लिए बंगाल की टीम में जगह दी गई है। सैयद मुश्ताक अली टूर्नामेंट में शानदार परफॉर्म किया। कई बॉलिंग एक्सपर्ट्स का मानना था कि शमी अपने इस सीजन के पहले रणजी ट्रॉफी मैच मध्यप्रदेश के खिलाफ ओवरवेट दिख रहे थे। मैच में उन्होंने दोनों इनिंग मिलाकर 42 ओवर जरुर डाले थे। लेकिन उनको अपने फॉलो थ्रू को लेकर दिक्कतें आ रही थी।

जोआओ फोंसेका ने जीता नेक्स्ट जेन एटीपी फाइनल्स का खिताब

जेद्दा , वार्ता : ब्राजील के जोआओ फोंसेका ने अमेरिकी लर्नर टीएन को हराकर नेक्स्ट जेन एटीपी फाइनल्स का खिताब जीत लिया है।

खेले गए खिताबी मुकाबले में 18 वर्षीय ब्राजीलियाई खिलाड़ी फोंसको ने अमेरिका के लर्नर टिएन को 2-4, 4-3 (10-8), 4-0, 4-2 से हराया। इस जीत के साथ ही वह यह स्पर्धा जीतने वाले दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी बन गए है। इससे पहले 2019 में जैनिक सिनर 21 वर्ष की आयु में कम उम्र में यह खिताब जीता था। मैच के बाद फोंसेका ने कहा कि मैं मैच से पहले वास्तव में घबराया हुआ था। मैं मैच की शुरुआत में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहा था। उन्होंने कहा कि मैंने 2023 यूएस ओपन में जूनियर में लर्नर के खिलाफ फाइनल खेला था और मुझे पता है कि वह किस तरह से खेल सकता है। वह बहुत अच्छा खिलाड़ी है। उन्होंने कहा कि यह शारीरिक और मानसिक रूप से कड़ा मुकाबला था। मैं सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और जीत हासिल की।

घर में जीत के साथ विदा हुए पुनेरी पल्टन

प्रो कबड्डी लीग : तमिल थलाइवाज को 10 अंक से हराया

पुणे, वार्ता : मेजबान पुनेरी पल्टन ने बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में सोमवार को खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 130वें मैच में तमिल थलाइवाज को 42-32 के अंतर से हराते हुए इस सीजन से विदा दिया। पल्टन ने 22 मैचों में नौवीं जीत दर्ज की जबकि इतने ही मैचों मे 13वीं हार के साथ थलाइवाज का सफर समाप्त हुआ।

पल्टन की जीत में उसके डिफेंस (21) की अहम भूमिका रही। थलाइवाज ने भी 17 अंक के साथ डिफेंस में बेहतर प्रदर्शन किया लेकिन दो आलआउट उसे महंगे पड़ गए। साथ ही अंतिम मिनट में दो सुपर टैकल ने उसका काम खराब कर दिया। पल्टन के लिए आर्यवर्धन ने 10, अजीत ने सात, गौरव ने 5 और संकेत, अमन और अली हादी ने चार-चार अंक लिए। अपने घर में सीजन का अंतिम मैच खेल रहे पल्टन ने तीन मिनट में 5-3 की लीड बनाकर थलाइवाज को सुपर टैकल सिचुएशन में ला दिया था। थलाइवाज हालांकि बोनस की बदौलत पल्टन के करीब आ गए लेकिन पल्टन ने जल्द ही पहला आलआउट लेते हुए 10-6 की लीड ले ली। आलइन के बाद आर्यवर्धन ने मल्टीप्वाइंटर के साथ फासला दोगुना कर दिया। आर्यवर्धन रोके नहीं रुक रहे थे।

ऑस्ट्रेलिया महिला टीम ने जीती वनडे सीरीज

तीसरे वनडे में न्यूजीलैंड को 75 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-0 से अपने नाम की

वेलिंगटन एश्ले गार्डनर (74), फोबे लिचफील्ड (50) रनों की अर्धशतकीय पारी के बाद एनाबेल सदरलैंड, अलाना किंग (तीन-तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने सोमवार को तीसरे एकदिवसीय मैच में न्यूजीलैंड को 75 रनों से हरा दिया हैं। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली। एनाबेल सदरलैंड को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' और प्लेयर ऑफ द सीरीज' से नवाजा गया।

ऑस्ट्रेलिया के 290 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड के लिए बेला जेम्स और अमेलिया केर की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 43 रन जोड़े। नौवें ओवर में सदरलैंड ने बेला जेम्स (24) को बोल्ड कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद अमेलिया केर ने सूजी बेट्स के साथ मोर्चा संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 63 रनों की साझेदारी हुई। 20वें ओवर में सदरलैंड ने सूजी बेट्स (53)को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। अगले ही ओवर में अमेलिया केर (22) रनआउट होकर पवेलियन लौट गई। इसके बाद कप्तान सोफी डिवाइन (25), ब्रुक हैलीडे (27) रन बनाकर आउट हुई। मैडी ग्रीन 35 गेंदों में (39) रन बनाकर नाबाद रही। न्यूजीलैंड के निचले क्रम का कोई भी बल्लेबाज ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण के आगे नहीं टिक सका। न्यूजीलैंड की पूरी टीम 43.3 ओवर में 215 के स्कोर पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया के लिए एनाबेल सदरलैंड और अलाना किंग ने तीन-तीन विकेट लिए। किम गर्थ और डार्सी ब्राउन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। एलिसा हीली और फोबे लिचफील्ड की ऑस्ट्रेलियाई सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 88 रन जोड़े। 15वें ओवर में अमेलिया केर ने हीली (39) को आउट कर न्यूजीलैंड को पहली सफलता दिलाई। फोबे लिचफील्ड (50) को रोजमेरी मैयर ने आउट किया। एलीस पेरी (14), बेथ मूनी (दो), एनाबेल सदरलैंड (42)रन बनाकर आउट हुई। एश्ले गार्डनर ने 62 गेंदों में नौ चौके और एक छक्का लगाते हुए (74) रनों की पारी खेली। ताहलिया मैकग्राथ, किम गार्थ (10-10) रन बनाकर आउट हुई। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम को 49 ओवर में 290 के स्कोर पर समेट दिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- dailyloktantra@gmail.com

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)